सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 250, नई दिल्ली । बुधवार, 20 नवम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

समुद्र में चाहे कितना भी बड़ा तूफान हो, समुद्र अपनी शांति कभी नहीं छोड़ता

03 दिल्ली के सर्दियों के वायु प्रदूषण के लिए क्लाउड सीडिंग....
06 हर जगह पहुंचे प्लास्टिक के कण
08 गाये लदी पिकअप वैन का भीषण हादसा हो गया

दिल्ली में ग्रैप 4 लागू, पर सरकार सार्वजनिक सवारी सेवा देने में नाकामयाब

आम आदमी पार्टी सरकार पिछले साल तक ग्रेप 4 की घोषणा के साथ ही दिल्ली में ओड इवन लागू करती रही हैं पर इस बार हो रही हैं मजबूर क्योंकि 50 प्रतिशत से अधिक सरकारी बस सेवा कर्मचारी हैं हड़ताल पर

संजय बाटला

नई दिल्ली। डीटीसी कर्मचारियों की हड़ताल से दिल्ली में यात्रियों की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। समान कार्य समान वेतन वेतन, नौकरी की सुरक्षा की मांग करते हुए डीटीसी के 50 फीसदी से अधिक कर्मी हड़ताल पर हैं। डीटीसी कर्मियों की हड़ताल से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है पर दिल्ली सरकार अपनी आंख और कान बन्द किए बैठी हैं। ऑटो चालकों, ओला उबर और रिक्शा चालकों ने डीटीसी कर्मियों की हड़ताल का फायदा उठाते हुए मुंह मांगा किराया मांगना शुरू कर रखा है और कोई उन पर कार्यवाही को तैयार नहीं।

डीटीसी कर्मियों की हड़ताल से मेट्रो में भीड़ बढ़ी

डीटीसी कर्मचारियों की हड़ताल शनिवार को शुरू हुई थी और आज तक है चालू और कब तक रहेगी कोई नहीं है बताने को तैयार

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत समूचा एनसीआर प्रदूषण की चपेट में हैं। ऐसे में लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल की अपील सरकार और प्रशासन कर रही है पर सार्वजनिक सवारी सेवा उपलब्ध करवाने में है नाकामयाब। दिल्ली परिवहन निगम के कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर हड़ताल कर दी। इस हड़ताल के कारण हजारों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और उन्हें घंटों बस स्टॉप पर इंतजार करना पड़ रहा। डीटीसी कर्मचारी समान कार्य समान वेतन, बेहतर काम करने की स्थिति, सुरक्षित रोजगार और काम के नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं। लगभग 30,000 डीटीसी कर्मचारियों में से आधे से अधिक अस्थायी अनुबंधों पर काम कर रहे हैं। दिल्ली में डीटीसी कर्मचारियों की हड़ताल के कारण सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था चरमरा गई। हजारों यात्री कई घंटे तक बसों का इंतजार करते रहे। उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। **हड़ताल की शुरुआत शनिवार को नए महिला बस डिपो के उद्घाटन के दौरान हुई थी।** धीरे-धीरे अन्य डिपो के कर्मचारी भी इसमें शामिल हो गए। एक महिला बस ड्राइवर ने बताया कि 2010 से डीटीसी में कोई भी ड्राइवर स्थायी पद पर नहीं रखा गया है। बस ड्राइवर ने कहा कि हमें प्रतिदिन 842 रुपये मिलते हैं, जो लगभग 21,000 रुपये प्रति माह बनता है क्योंकि हमें केवल 25 दिन काम मिलता है। अगर हमें देर हो जाती है या हम बीमार पड़ जाते हैं, तो हमारा उस दिन का वेतन भी कट जाता है। स्थायी कर्मचारियों को वही काम करने के लिए 50,000-60,000 रुपये और अन्य भत्ते मिलते हैं। डीटीसी कर्मचारियों ने कहा कि हम अपना विरोध तब तक जारी रखेंगे जब तक हमें पर्मानेंट करने की हमारी मांग पूरी नहीं हो जाती। आने वाले दिनों में और लोग हमारे साथ जुड़ेंगे।

डीटीसी कर्मियों की हड़ताल का खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। शाहदरा की रहने वाली 60 वर्षीय महिला ने बताया कि मैं पेंशन के कुछ फॉर्म भरने आई थी। अपने खराब घुटनों के बावजूद, मेरे पास एक बस स्टॉप से दूसरे बस स्टॉप तक चलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। इस उम्मीद में कि मुझे घर वापस जाने के लिए सवारी मिल जाएगी पर दो घंटे से अधिक समय से मै आईटीओ में असहाय होकर बस का इंतजार करती रही। हड़ताल के कारण लोग वैकल्पिक साधनों की तलाश में भटकते रहे। आईपी डिपो, आईटीओ, आनंद विहार, सरोजिनी नगर और आईएसबीटी कश्मीरी गेट सहित प्रमुख बस अड्डों पर लोगों में हताशा और भ्रम साफ देखा जा सकता है। एक यात्री ने शिकायत में कहा कि ऑटोरिक्शा वाले भी बहुत अधिक किराया मांग रहे है और दिल्ली मेट्रो में ठसाठस भीड़ है। वहीं कई यात्री ऐसे भी मिले जिन्होंने बताया कि हालांकि सड़कों पर बसें चल रही थीं, लेकिन वह यात्रियों को लेने से इनकार कर रही थीं या अपने निर्धारित मार्गों पर नहीं चल रही थीं। 40 वर्षीया महिला ने बताया कि मेरी बेटी नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है। हमने उसकी फीस भरने के लिए पैसा जोड़ा है। हम यह सोचकर घर से निकले थे कि उसकी कॉलेज की फीस भर देंगे। हड़ताल के कारण बस चालक ने हमें आईपी डिपो पर ही उतार

दिया। कश्मीरी गेट, आनंद विहार और सराय काले खां जैसे प्रमुख बस टर्मिनलों के पास के इलाकों में भीषण जाम देखा गया। एक डीटीसी अधिकारी ने कहा कि विरोध कर रहे कर्मचारियों की मांगों पर विचार करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति गठित की गई है। अधिकारी ने कहा कि डिपो प्रबंधक के माध्यम से उनकी मांगों को लिखित रूप से लिया गया है। लेकिन डिपो प्रबंधक का कहना है कि प्रदर्शनकारियों ने किसी भी समाधान बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया है।

बसों की हड़ताल से दिल्ली वासियों को हो रही परेशानी पर सरकार की आंख कान अभी भी है बंद, सरकार ने मांगों पर विचार करने के लिए कमेटी बनाई पर क्या इससे होगा कोई हल ?

दिल्ली में डीटीसी बसों में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले ड्राइवर और कंडक्टरों की हड़ताल रंग लाती दिख रही है। डीटीसी के कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों द्वारा 'समान वेतन-समान काम' और स्थायी नौकरी की गारंटी की मांग को लेकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शन के बीच डीटीसी ने आखिर दबाव में आकर एक कमेटी बनाई है।

दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) बसों में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले ड्राइवर और कंडक्टरों की हड़ताल अब असर दिखाती दिख रही है। डीटीसी के कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों द्वारा 'समान वेतन-समान काम' और स्थायी नौकरी की गारंटी की मांग को लेकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शन के बीच डीटीसी ने एक कमेटी बनाई है। कमेटी ने सभी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स से नया मांग पत्र प्रस्तुत करने की अपील की है।

डीटीसी के पत्र में कहा गया है, "आपसे अनुरोध है कि अनुबंध कर्मचारियों की मांग से संबंधित नवीनतम मांग पत्र समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए इसे जल्द उपलब्ध कराएं।"

डीटीसी के कर्मचारी कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों के नियमितीकरण और 'समान काम-समान वेतन' के मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रदर्शन में शामिल एक महिला कर्मचारी ने सोमवार को कहा था, ₹हमारी केवल एक ही मांग है - हमें डीटीसी के स्थायी कर्मचारी क्यों नहीं बनाया जा सकता? कर्मचारी यूनियन भी हमारे साथ है। हम क्लस्टर बसों के कर्मचारियों से भी सहयोग चाहते हैं।"

डीटीसी के एक अन्य संविदा कर्मचारी ने कहा, "हमारी मुख्य मांग समान काम के लिए समान वेतन और नौकरी की सुरक्षा है। एक स्थायी कर्मचारी को समान काम के लिए कहीं अधिक पैसे मिलते हैं। इतने कम वेतन में हम अपना गुजारा नहीं कर पा रहे हैं। सरकारी विभाग की ओर से अभी तक कोई भी व्यक्ति हमसे मिलने नहीं आया है।"

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने "भारत माता की जय" और "समान काम, समान वेतन" के नारे लगाए। उन्होंने **"60 साल तक नौकरी की गारंटी देने" की भी मांग की।**

डीटीसी कर्मचारियों की इस हड़ताल से स्थिति तब और बिगड़ गई थी, जब सरोजिनी नगर में नवनिर्मित 'सखी बस डिपो' की सभी महिला कर्मचारियों ने समान वेतन और नौकरी की सुरक्षा की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनकी शिकायतों ने स्थायी और अनुबंधित कर्मचारियों के बीच वेतन में भारी असमानता को उजागर किया। पुरुष कर्मचारियों के शामिल होने से विरोध प्रदर्शन में तेजी आई और बेहतर काम करने की स्थिति और उचित व्यवहार की मांग को बल मिला।

दिल्ली मेट्रो ने बनाया नया रिकॉर्ड, एक ही दिन में मालामाल हुआ डीएमआरसी; चौंका देंगे ये आंकड़े

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली मेट्रो ने 18 नवंबर 2024 को 78.67 लाख यात्रियों के साथ अपनी अब तक की सबसे ज्यादा यात्राएं दर्ज कीं। यह आंकड़ा दिल्ली मेट्रो की विश्वसनीयता और समय की पाबंदी को दर्शाता है। वायु गुणवत्ता में गिरावट के कारण अधिक लोगों को मेट्रो का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए DMRC सप्ताह के दिनों में 60 अतिरिक्त यात्राएं चला रहा है।

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) ने एक बार फिर से अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे पहले अगस्त में डीएमआरसी ने रिकॉर्ड बनाया था।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने सोमवार यानी (18 नवंबर 2024) को 78.67 लाख यात्रियों के साथ अपनी सबसे ज्यादा यात्राएं दर्ज कीं।

डीएमआरसी ने साझा की जानकारी

डीएमआरसी की तरफ से कहा गया कि ये आंकड़े दिल्ली मेट्रो की विश्वसनीयता, समय की पाबंदी और निर्बाध यात्रा पर यात्रियों द्वारा दिखाए गए बढ़ते भरोसे को दर्शाते हैं, जो दिल्ली-एनसीआर के अधिकांश हिस्सों को कवर करता है।

गंभीर वायु गुणवत्ता का सामना कर रहा दिल्ली-NCR

बता दें कि दिल्ली-एनसीआर वर्तमान में गंभीर वायु गुणवत्ता गिरावट का सामना कर रहा है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस परिदृश्य में अधिक लोग मेट्रो का उपयोग करना पसंद करते हैं।

एक दिन में 78 लाख से ज्यादा यात्रियों ने किया सफर

DMRC पहले से ही सप्ताह के दिनों में 60 अतिरिक्त यात्राएं चला रहा है, जिससे सामान्य से अधिक वहन क्षमता मिल रही है। 18 नवंबर 2024 को की गई 78, 67,017 यात्री यात्राओं का लाइनवार ब्यौरा नीचे दिया गया है।

देखें किस लाइन पर कितने यात्रियों ने किया सफर

रेड लाइन	8,56,692
येलो लाइन	20,99,097
ब्लू लाइन	20,80,221
ग्रीन लाइन	4,12,935
वायलेट लाइन	7,93,324
पिंक लाइन	8,15,223
मैजेंटा लाइन	6,19,711
ग्रे लाइन 5 0,128	
रैपिड मेट्रो	5 7,701
एयरपोर्ट लाइन	8 1,985

मेट्रो में कल अब तक सबसे अधिक यात्रियों ने सफर किया। इस वजह से पैसेंजर जर्नी रिकॉर्ड 78.67 लाख रही।

इससे पहले अगस्त में बनाया था रिकॉर्ड

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) ने इससे पहले इसी साल अगस्त महीने में एक दिन में 77 लाख से ज्यादा यात्रा का रिकॉर्ड दर्ज किया था। लेकिन अब डीएमआरसी ने अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

13 अगस्त को भी बनाया था रिकॉर्ड

DMRC के अनुसार, 13 अगस्त को सर्वाधिक 71.09 लाख यात्रा (पैसेंजर जर्नी) हुई थी। 20 अगस्त को यह संख्या 77.48 लाख से अधिक पहुंच गई। किसी यात्री द्वारा मेट्रो बदलने के आधार पर पैसेंजर जर्नी की गणना होती है।

बता दें कि अगस्त से पहले दिल्ली मेट्रो ने 12 फरवरी व 13 फरवरी को भी रिकॉर्ड बनाया था। मेट्रो के तीसरे चरण के सभी कॉरिडोर चालू होने से यात्रियों की संख्या बढ़ी है।

लॉन्च हुआ QR-टिकटिंग सिस्टम, अब मेट्रो और नमो भारत ट्रेन में एक टिकट से कर सकेंगे सफर

एनसीआरटीसी और डीएमआरसी ने एकीकृत क्यूआर-टिकटिंग सिस्टम लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य एनसीआर में यात्रा को और आसान एवं सुविधाजनक बनाना है। अब यात्री 'आरआरटीएस कनेक्ट' एप के माध्यम से दिल्ली मेट्रो का क्यूआर कोड टिकट और 'डीएमआरसी मोमेंटम 2.0' एप से नमो भारत के लिए क्यूआर कोड टिकट बुक कर सकते हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो और नमो भारत ट्रेन में सफर करने वालों के लिए एक अच्छी खबर है।अब यात्रियों को दिल्ली मेट्रो और नमो भारत ट्रेन का टिकट अलग-अलग खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बता दें कि Namo Bharat Train अभी मेरठ से साहिबाबाद तक चल रही है। जल्द ही नमो भारत ट्रेन मेरठ से दिल्ली में न्यू अशोक नगर चलने वाली है। लोगों को इसका बेस्रबी से इंतजार है।

एकीकृत क्यूआर-टिकटिंग सिस्टम आधिकारिक तौर पर लॉन्च

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) और दिल्ली मेट्रो रेल कारपोशन (डीएमआरसी) ने सोमवार को अपना एकीकृत क्यूआर-टिकटिंग सिस्टम आधिकारिक तौर से लॉन्च कर दिया। इस पहल का उद्देश्य एनसीआर में यात्रा को और आसान एवं सुविधाजनक बनाना है।

यात्रियों को मिलेगा बहुत फायदा

एनसीआर में एक एकीकृत एवं डिजिटल रूप से संचालित यात्री केंद्रित नेटवर्क बनाने के उद्देश्य से इसी साल अगस्त में एनसीआरटीसी और डीएमआरसी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया था। यह पहल उसी दिशा में बढ़ाया गया एक कदम है।

क्या बोले एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल...

एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल और डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डा विकास कुमार ने

मोबाइल ऐप पर नमो भारत और दिल्ली मेट्रो की टिकट बुक कर आधिकारिक तौर पर इस एकीकृत टिकटिंग सिस्टम की शुरुआत की।

उन्होंने विश्वास जताया कि यह डिजिटल एकीकरण यात्रियों की राह तो आसान करेगा ही, साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को प्रोत्साहित भी करेगा।

ऐसे बुक कर सकेंगे क्यूआर टिकट

यात्री अब 'आरआरटीएस कनेक्ट' एप के माध्यम से दिल्ली मेट्रो का क्यूआर कोड टिकट और 'डीएमआरसी मोमेंटम 2.0' एप से नमो भारत के लिए क्यूआर कोड टिकट बुक कर सकते हैं। इससे आरआरटीएस और दिल्ली मेट्रो, दोनों में निर्बाध टिकटिंग संभव होगी।

जल्द न्यू अशोक नगर तक दौड़ेगी नमो भारत ट्रेन

नमो भारत ट्रेन का संचालन अब जल्द ही मेरठ से न्यू अशोक नगर तक शुरू होने वाला है। न्यू अशोक नगर तक नमो भारत ट्रेन का संचालन होने से नोएडा में नौकरी करने वालों को काफी फायदा होगा। वे आसानी से सिर्फ 35 से 40 मिनट में मेरठ से दिल्ली आ सकेंगे।

इन स्टेशनों पर शुरू हुई बिजली सप्लाई

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर पर आनंद विहार और न्यू अशोक नगर स्टेशन पर बिजली आपूर्ति भी शुरू कर दी गई है। इसके लिए इन स्टेशनों में स्थापित सहायक (आग्जिलियरी) सब सटेशनों (एएसएस) को 33 केवी की क्षमता पर चार्ज कर दिया गया है।

दिल्ली में ऑड-ईवन के लिए हो जाएं तैयार, कृत्रिम बारिश के लिए केंद्र को लिखी चिट्ठी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार जल्द ही राजधानी में ऑड-ईवन नियम लागू कर सकती है। इसके संकेत पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिए हैं।

उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार नहीं हुआ तो यह कदम भी उठाया जा सकता है और सरकार की ओर से प्रदूषण को कम करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

राय ने कहा है कि सरकार विशेषज्ञों की सलाह और आवश्यकताओं के आधार पर ऑड-ईवन नियम को फिर से लागू करने पर अंतिम फैसला लेगी।

गोपाल राय ने कहा कि हम अपने स्तर पर सभी आवश्यक कदम उठा रहे हैं। हम हर चीज की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं।

राय ने कृत्रिम वर्षा का फिर जिक्र किया, कहा कि इससे प्रदूषण हट सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि तेज हवा से भी प्रदूषण हट सकता है।

गोपाल राय ने चौथी बार लिखा पत्र

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने चौथी बार केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखकर कृत्रिम बारिश के लिए मंजूरी मांगी है। राय ने कहा कि प्रदूषण को कम करने और नागरिकों की मदद के लिए आपातकालीन उपाय के रूप में दिल्ली में कृत्रिम बारिश की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ही कोई निर्णय लिया जाएगा

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को कहा था कि ऑड-इवेन लागू करने के संदर्भ में विशेषज्ञों से विमर्श करने व सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ही कोई निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि आप सरकार दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

पत्रकार वार्ता के दौरान गोपाल राय ने कहा कि प्रदूषण में वृद्धि के लिए पराली का एक महत्वपूर्ण कारक रहा है। पंजाब में जब 2022 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो उस समय 15 अक्टूबर से 17 नवंबर के बीच पराली जलने की कुल 47 हजार घटनाएं रिपोर्ट हुई थी।

पंजाब को लेकर क्या बोले गोपाल राय

उन्होंने कहा कि पंजाब की सरकार ने बहुत काम किया और इसका परिणाम यह हुआ कि 2024 में 15 अक्टूबर से 17 नवंबर के बीच केवल साढ़े सात हजार घटनाएं हुई हैं। जबकि इसी दौरान उत्तर प्रदेश में 2022 में पराली जलाने की कुल ढेड हजार घटनाएं हुई थीं, जो आज बढ़कर ढाई हजार हो गई है।

राय ने कहा कि एक तरफ हम पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में करीब 80 प्रतिशत की कमी लाने में सफल हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि हुई है।

राय ने कहा कि यदि केंद्र सरकार ने जिम्मेदारी लेते हुए सभी संबंधित राज्यों के साथ मिलकर एक संयुक्त कार्ययोजना बनाई होती तो आज दिल्ली के लोगों और पूरे उत्तर भारत के लोगों को यह दिन नहीं देखना पड़ता।

मंत्री को भेजा था पत्र

उन्होंने कहा कि अगस्त में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को इस बाबत पत्र भेजा था। आग्रह किया गया था कि वह सभी संबंधित केन्द्रीय एजेंसियों, राज्यों, दिल्ली सरकार और आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर ऐसी कार्ययोजना बनाएं। कहा था कि हवा की गति कम होने और ठंढ बढ़ने से स्मॉग की चादर बन जाती है तो उसे तोड़ने के लिए कृत्रिम वर्षा कराई जा सके। लेकिन आज ढाई महीने बाद भी एक बैठक बुलाने का समय नहीं मिला।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते हुए प्रदूषण से अस्थमा के पेशेंट को हो रही हैं गंभीर परेशानियां, खुद का रखें ध्यान

भारत के कई जगहों पर प्रदूषण का लेवल बढ़ता जा रहा है। इसकी वजह से कई गंभीर परेशानियां हो रही है। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में अस्थमा में पेशेंट के लिए खुद को सुरक्षित रखने की टिप्स को फॉलो करें।

ठंड के मौसम आते ही दिल्ली समेत कई हिस्सों में प्रदूषण का लेवल लगातर बढ़ता रहता है। इन दिनों दिल्ली में प्रदूषण के चलते एक्यूआई 1000 बताया गया है। बढ़ते हुए प्रदूषण में सांस लेने का मतलब सिगरेट पीने जैसा है। ऐसे में अस्थमा के पेशेंट को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रदूषण में मौजूद एलर्जन अस्थमा के मरीजों की एलर्जी को बढ़ा देते हैं। प्रदूषण के छोटे कण सांस नली में रहते हैं तो इससे सांस लेने में परेशानी होती है। पॉल्यूशन के बड़े कण फेफड़ो के वायुमार्ग में जमा हो जाते हैं। आइए जानते हैं अस्थमा के मरीजों को कैसे अपना ध्यान रखना चाहिए।

स्मोकिंग वाली जगहों से दूर रहे

अगर आप अस्थमा के मरीज हैं तो स्मोकिंग के धुएं से सतर्क रहना जरुरी है। क्योंकि, यह आपके फेफड़ों को गंभीर रुप से नुकसान पहुंचा जा सकता है। जो लोग अस्थमा के पेशेंट होने के बाद भी स्मोकिंग करते हैं, तो यह गलत है। इससे आपकी परेशानी बढ़ जाएगी। स्मोकिंग की जाने वाली जगहों पर न खड़े रहे, वरना सांस की तकलीफ से बचा सकती है।

प्रदूषण वाली जगहों पर न जाएं

ठंड के मौसम में प्रदूषण का लेवल बढ़ता है। ऐसे में अस्थमा के मरीजों को ज्यादा सतर्क रहना चाहिए। आप भीड़भाड़ और अधिक पॉल्यूशन वाले इलाकों में जाने से बचें, जिससे आप सांस की परेशानियों से बच सके।

मास्क लगाएं

प्रदूषण से बचने के लिए आप मास्क जरुर लगाएं। अगर आप घर से बाहर निकालते हैं तो मास्क जरुर पहनकर जाएं। डस्ट और अन्य हानिकारक कण आपके फेफड़ों तक न पहुंचें।

घर में रहते हुए इस बात का रखें ध्यान

पॉल्यूशन से बचने के लिए कुछ चीजों को नजरअंदाज करना चाहिए। अगर आप घर के अंदर प्रदूषण पर नजर रखना भी जरुरी है। आस-पास मच्छर कॉइल, अगरबत्ती, धूप या कभी-कभी कीटनाशक स्प्रे या मच्छर स्प्रे घर के अंदर प्रदूषण में योगदान कर सकते हैं। इसलिए इससे बचें।

विंटर वेकेशन को परफेक्ट बनाने के लिए राजस्थान के इन जगहों पर एडवेंचर एक्टिविटीज का लुत्फ उठाएं

सर्दियों में घूमने के लिए राजस्थान अच्छा कुछ नहीं हो सकता है। विंटर वेकेशन को बेहतर बनाने के लिए आप घूमने के लिए कहीं जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आप राजस्थान का ट्रिप पर जा सकते हैं।

सर्दियां शुरु हो चुकी हैं, ऐसे में आप भी विंटर वेकेशन पर कहीं जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आप के लिए राजस्थान से कुछ भी नहीं हो सकता है। सर्दियों के समय घूमने के लिए राजस्थान का मौसम सबसे बढ़िया होता है। राजस्थान की खासियत है कि एडवेंचरस एक्टिविटीज का मजा ले सकते हैं। एडवेंचर एक्टिविटीज का मजा लेने के लिए आप कपल्स, दोस्तो और फैमिली के साथ जा सकते हैं। आइए जानते हैं राजस्थान में आप कहां-कहां किन एक्टिविटीज का लुत्फ ले सकते हैं।

जैसलमेर में सफारी

विंटर वेकेशन के लिए जैसलमेर सबसे बेहतरीन जगह है। राजस्थान का गोल्डन शहर जैसलमेर में आप रेगिस्तानी सफारी का एक्सपीरियंस कर सकते हैं। यहां पर आप ऊंट की सवारी, लहरदार थार रेगिस्तान को पार करने और टीलों पर लुभावने सनसेट देखने को मिलेगा।

रणथंभौर में टाइगर सफारी

अगर आप रॉयल बंगाल टाइगर को देखना चाहते हैं, तो राजस्थान के रणथंभौर जरुर जा सकते हैं। वाइल्ड लाइफ लवर्स को ये जगह काफी पसंद आएगी। यहां आप अपनी फैमिली और दोस्तों के साथ जा सकते हैं।

जयपुर में बलून राइड

पिंक सिटी जयपुर में आप हॉट एयर बलून का मजा ले सकते हैं। बता दें कि, अरावली रेंज में स्थापित यह रोमांचकारी सवारी शहर के शाही आकर्षण और प्राकृतिक नजारे का मजा ले सकते हैं।

उदयपुर में बोटिंग

अगर आप बोटिंग करना चाहते हैं, तो आप राजस्थान से लेक ऑफ सिटी उदयपुर जा सकते है। यहां पर आपको बोटिंग एक्सपीरियंस बेहतरीन मिलेगा। सनसेट के दौरान ऐतिहासिक महल और घाट को देखना काफी अलग एक्सपीरियंस होगा।

भानगढ़ फोर्ट

राजस्थान का भानगढ़ फोर्ट ऐतिहासिक खंडहरों और भूत-प्रेत की कहानियों के लिए काफी मशहूर भानगढ़ को देश की सबसे डरावनी जगहों में से एक माना जाता है। किले में एंट्री के लिए चार द्वार है- लाहौरी गेट, अजमेरी गेट, फूलबारी गेट और दिल्ली गेट। यदि आपको भूतियों जगहों को एक्सप्लोर करना पसंद है, तो आप इन जगहों पर जरुर जाएं।

शहद का इस्तेमाल

शहद का सेवन प्राचीन काल से होता आया है और शहद के फायदे के बारे में आयुर्वेद में भी प्रमुखता से उल्लेख मिलता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि शहद मधुमक्खियों द्वारा फूलों के रस से बनाया गया एक तरल पदार्थ है। इसे मधुमक्खियों द्वारा कई चरणों में काफी लम्बी प्रक्रिया के बाद तैयार किया जाता है। आयुर्वेद में शहद (honey) को एक औषधि का दर्जा हासिल है और अब पूरी दुनिया में लोग मिठास के लिए भी शहद का इस्तेमाल करने लगे हैं। पिछले कुछ दशकों में शहद पर हुए वैज्ञानिक शोध आयुर्वेद में बताए इसके गुणों (Benefits of honey) की पुष्टि करते हैं।

शहद का उपयोग किसी भी रुप में किया जाए यह सेहत के लिए फायदेमंद है। बस इसके इस्तेमाल से पहले यह ज़रुर जांच लें कि उपयोग में लाया जा रहा शहद असली है या मिलावटी, क्योंकि मिलावटी शहद खाने से सेहत को कई नुकसान हो सकते हैं।

शहद में पाए जाने वाले वाले पोषक तत्व :

शहद ज़रूरी पोषक तत्वों, खनिजों और विटामिन का भंडार है। शहद में मुख्य रुप में फ्रक्टोज पाया जाता है। इसके अलावा इसमें कार्बोहाइड्रेट, राइबोफ्लेविन, नायसिन, विटामिन बी-6, विटामिन सी और एमिनो एसिड भी पाए जाते हैं। एक चम्मच (21 ग्राम) शहद में लगभग 64 कैलोरी और 17 ग्राम फ्रक्टोज, ग्लूकोज, सुक्रोज एवं माल्टोज होता है। शहद में फैट, फाइबर और प्रोटीन बिल्कुल भी नहीं होता है।

शहद के औषधीय गुण :- शहद के औषधीय गुणों की बात करें तो यह अनगिनत बीमारियों के इलाज में उपयोगी माना जाता है। यही कारण है कि प्राचीन काल से ही शहद को औषधि माना गया है। आज के समय में मुख्य रुप से लोग त्वचा में निखार लाने, पाचन ठीक रखने, रोगप्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी पॉवर) बढ़ाने, वजन कम करने आदि के लिए शहद का उपयोग करते हैं। इसके अलावा शहद में एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जिसकी वजह से घाव को भरने में या चोट से जल्दी आराम दिलाने में भी यह बहुत कारगर है।

शहद खाने का तरीका:-

शहद के फायदे के बारे में अधिकतर लोगों को पता होता है लेकिन शहद खाने के तरीके को लेकर लोग असमंजस में रहते हैं। आपकी जानकरी के लिए बता दें कि आप कई तरह से शहद का सेवन कर सकते हैं। आप रोजाना एक से दो चम्मच शहद सीधे तौर पर खा सकते हैं या इसे गुनगुने दूध में मिलाकर सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा खाली पेट हल्के गुनगुने पानी के साथ शहद का सेवन वजन कम करने में बहुत उपयोगी माना जाता है। इसी तरह अगर आप शहद का इस्तेमाल त्वचा के निखार या बालों के लिए करना चाहते हैं तो नीचे बताए गये तरीकों को अपनाएं या चिकित्सक की सलाह के अनुसार उपयोग करें।

शहद के फायदे :-

शहद के फायदों को देखते हुए ही आयुर्वेद में इसे अमृत समान माना गया है। छोटे बच्चों से लेकर वयस्कों तक शहद सभी के लिए उतना ही फायदेमंद है। नियमित रुप से शहद खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है जिससे कई तरह की संक्रामक बीमारियों से बचाव होता है। आइये शहद के प्रमुख फायदों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

१.खांसी से आराम :-

अगर आपकी खांसी कई दिनों से ठीक नहीं हो रही है तो आप शहद का इस्तेमाल करें। यह खांसी से आराम दिलाने की असरदार घरेलू दवा है। शहद में मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण संक्रमण को और बढ़ने से रोकते हैं साथ ही यह कफ को पतला करती है जिससे कफ आसानी से बाहर निकल जाता है। खासतौर पर जो लोग सूखी खांसी से परेशान रहते हैं उन्हें शहद से जल्दी आराम मिलता है।

सेवन विधि :- खांसी से आराम पाने के लिए आप दो तरीकों से शहद का सेवन कर सकते हैं।

पहला तरीका :- रात में सोने से पहले हल्के गुनगुने पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर उसे पियें। यह बलगम को पतला करने के साथ-साथ खांसी से जल्दी आराम दिलाती है।

दूसरा तरीका :- अदरक और शहद से तैयार पेय भी खांसी से आराम दिलाने में कारगर है।

२. कटने या जलने पर :-

त्वचा के कटने-छिलने या जल जाने पर भी शहद का उपयोग करना बहुत लाभकारी है। शहद में मौजूद एंटीसेप्टिक गुण जले हुए हिस्से को जल्दी ठीक करते हैं और त्वचा को संक्रमण से भी बचाते हैं।

उपयोग विधि :- अगर आपकी त्वचा में हल्की खरोंच आ गयी है या कोई हिस्सा मामूली रूप से जल गया है तो उस हिस्से पर शहद लगाएं। यह जलन को कम करता है और उस हिस्से में संक्रमण को रोकता है।

***. वजन कम करने में सहायक**

अगर आप बढ़ते वजन या मोटापे से परेशान हैं तो शहद के सेवन से आप अपना वजन कम कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि शहद में वसा बिल्कुल भी नहीं होता है। यह वजन को नियंत्रित रखने के साथ-साथ शरीर के कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कम करता है। इसलिए नियमित रूप से शहद का सेवन करें।

सेवन विधि :- रोजाना सुबह खाली पेट एक गिलास हल्के गुनगुने पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर उसका सेवन करें। इसे पीने के आधे से एक घंटे तक कुछ भी ना खाएं।

४. रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक :-

शहद में ज़रुरी एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट दिल के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं और दिल से जुड़ी कई तरह की बीमारियों से बचाव करते हैं। इसके अलावा शहद का मुख्य काम शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना है। प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होने से कई तरह की संक्रामक बीमारियों से बचाव होता है।

सेवन विधि :- शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए रोजाना एक से दो चम्मच शहद को हल्के गुनगुने दूध में मिलाकर पियें। दूध में शहद डालकर पीने से यह और ज्यादा गुणकारी हो जाता है।

५.घाव भरने में मदद :-

शहद में मौजूद तत्व फ्लेवोनॉयड, फेनोलिक एसिड और लैसोजाइम में एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो सूजन को रोकते हैं और क्षतिग्रस्त ऊतकों और कोशिकाओं को ठीक करते हैं। इन्हीं गुणों की वजह से यह घाव को जल्दी ठीक करने में मदद करती है।

उपयोग विधि :- घाव वाली जगह पर सीधे शहद लगाएं और अगर घाव में जलन भी हो रही है तो शहद में गुलाबजल मिलाकर सीधे प्रभावित हिस्से पर लगाएं।

६. गले की खराश :-

यह खांसी और सर्दी-जुकाम से तो आराम दिलाती ही है साथ ही अगर आपका गला बैठ गया है या गले में खराश है तो भी आप शहद का सेवन करके आराम पा सकते हैं।

सेवन विधि :- गले की खराश से जल्दी आराम पाने के लिए एक चम्मच अदरक के रस में एक से दो चम्मच शहद मिलाकर दिन में दो बार इसका सेवन करें।

७. कब्ज़ से राहत :-

अगर आप कब्ज़ के मरीज हैं तो समझ लें कि आप कई अन्य बीमारियों को न्यौता दे रहे हैं। पेट से जुड़ी कई समस्याओं की मूल जड़ कब्ज़ ही है। शहद शरीर में फ्रक्टोज के अवशोषण को कम करती है इस वजह से आप इसका उपयोग कब्ज़ को दूर करने में भी कर सकते हैं। कब्ज़ से आराम दिलाने के अलावा यह पेट फूलने और गैस की समस्या से भी आराम दिलाती है।

सेवन विधि :- कब्ज़ से आराम पाने के लिए रोजाना रात में सोने से पहले एक गिलास हल्के गुनगुने दूध में एक चम्मच शहद मिलाकर उसका सेवन करें।

८.त्वचा के लिए शहद के फायदे :- शहद केवल पाचन और इम्युनिटी बढ़ाने तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह त्वचा में निखार लाने में भी मदद करता है। शहद में ऐसे गुण होते हैं जो आस पास की नमी को सोख लेती है और त्वचा की नमी को बरकरार रखने में मदद करते है। जिन लोगों की त्वचा बहुत रुखी होती है उन्हें अपनी त्वचा को नम बनाये रखने के लिए शहद का इस्तेमाल करना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि त्वचा में निखार लाने के लिए इसे खाने की बजाय इसे त्वचा पर लगाया जाता है। त्वचा के लिए आप कई तरीकों से शहद का इस्तेमाल कर सकते हैं।

उपयोग विधि :-

अ.- रुखी त्वचा वालों के लिए : एक चम्मच शहद लें और इसे त्वचा के रुखे हिस्से पर लगाएं। 15-20 मिनट तक इसे सूखने दें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इसे एक हफ्ते में कम से कम तीन बार प्रयोग करें।

ब - त्वचा के निखार के लिए : चेहरे की चमक बढ़ाने के लिए आप शहद से तैयार फेसपैक का इस्तेमाल करें। आमतौर पर शहद और नींबू, शहद और दूध, शहद और केला से तैयार फेसपैक ज्यादा फायदेमंद होते हैं।

९.बालों के लिए फायदेमंद:-

बालों के रूखेपन के कारण बाल तेजी से झड़ने लगते हैं। शहद के उपयोग से बालों की सुन्दरता बढ़ती है और उनके रुखेपन में कमी आती है। शहद में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण बालों के लिए फायदेमंद है। यह फ्री रेडिकल को हटाती है और ज्यादा देर तक धूप में रहने से या किसी हानिकारक केमिकल से बालों को होने वाले नुकसान को रोकती है। शहद से बालों को सही पोषण भी मिलता है।

उपयोग विधि :- बालों के लिए आप कई तरीकों से शहद का उपयोग कर सकते हैं।

अ- दही के साथ शहद को मिलाकर हेयर मास्क बना लें और इसे बालों पर लगाएं। इससे खराब बालों को पोषण मिलता है।

ब. शहद और एलोवेरा का मिश्रण बालों के बढ़ने में मदद करता है।

१०.मुंहासे दूर करने में उपयोगी :-

शहद में मौजूद जायलोज और सुक्रोज, वाटर एक्टिविटी को कम करते हैं और बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकते हैं। इस वजह से शहद मुहांसे दूर करने में काफी उपयोगी है।

उपयोग विधि :- रात में सोने से पहले शहद की थोड़ी सी मात्रा लेकर सीधा मुंहासे पर लगाएं और रात भर के लिए सूखने दें। अगली सुबह इसे ठंडे पानी से धो लें।

..तो बिक जाएगा क्रोम, गूगल बड़ी कार्रवाई कर सकता है अमेरिका

रअसल, अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट गूगल पर क्रोम को बेचने के लिए दबाव बनवा सकता है। ब्लूबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएस जस्टिस डिपार्टमेंट, गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट पर क्रोम ब्राउजर को बेचने का दबाव बनाने के लिए जज से कह सकता है।

गूगल मुश्किल में घिर सकता है। दरअसल, अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट गूगल पर क्रोम को बेचने के लिए दबाव बनवा सकता है। ब्लूबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएस जस्टिस डिपार्टमेंट, गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट पर क्रोम ब्राउजर को बेचने का दबाव बनाने के लिए जज से कह सकता है। इस मामले से जुड़े लोगों के हवाले से ये जानकारी दी गई है।

इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और गूगल के एंड्रोइड ऑफरेटिंग सिस्टम को लेकर भी डिपार्टमेंट अहम कदम उठा सकता है। इसके अलावा जज अमित मेहता दिग्गज टेक कंपनी के लिए डेटा लाइसेंसिंग को जरूरी कर सकते हैं।

अगर ये सभी फैसले लिए जाते हैं तो ये किसी भी टेक्नोलॉजी कंपनी के खिलाफ उठाया गया बड़ा कानूनी कदम हो सकता है। अगस्त में आए एक फैसले में कोर्ट ने गूगल को एंटी-ट्रस्ट नियमों को तोड़ने के आरोप में दोषी माना था। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि गूगल ने सर्च और एडवर्टाइजमेंट मार्केट में अपने एकाधिकार का गलत फायदा उठाया है।

वहीं मौजूदा ग्लोबल ब्राउजर मार्केट पर नजर डाले तो गूगल क्रोम की 65 परसेंट की हिस्सेदारी है। वहीं एपल सफारी का मार्केट शेयर 21 फीसदी है। गूगल को एंड्राइड OS को लेकर भी कड़े फैसलों का सामना करना पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार गूगल को Android OS को अपनी दूसरी सर्विसेस से अलग करना होगा। इसमें सर्च और गूगल प्ले मोबाइल सर्विसेज हैं।

घर पर 15 मिनट में बनाएं होटल जैसा स्वादिष्ट ब्रेड रसमलाई, मेहमान भी करेंगे आपकी तारीफ

त्योहारों के मौके पर हमारे घरों में मेहमानों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में कोई भी त्योहार हो सभी के घरों में तरह-तरह की मिठाइयां और स्वादिष्ट व्यंजन बनाए जाते हैं। लेकिन कई बार समय की कमी होने के कारण हम कुछ ऐसा बनाने की सोचते हैं, जो जल्दी बन जाए और साथ में खाने में भी टेस्टी हो। अगर आपके पास भी समय की कमी है और आप कुछ झटपट में लेकिन बेहद स्वादिष्ट मिठाई बनाना चाहती हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है।

क्योंकि आज हम आपको एक ऐसी मिठाई की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसको आप फटाफट घर पर बना सकती हैं और यह खाने में भी बहुत स्वादिष्ट लगेगी। ब्रेड तो लगभग हर किसी के घर में होता है, तो बता दें कि आप बहुत कम समय में ब्रेड रसमलाई बना सकती हैं। यह ब्रेड रसमलाई खाकर मेहमान खुद को आपकी तारीफ करने से नहीं रोक पाएंगे, तो आइए जानते हैं ब्रेड रसमलाई की रेसिपी के बारे में...

सामग्री

ब्रेड स्लाइस
दूध
कंडेंस्ड मिल्क
किशमिश
बादाम
हल्दी
इलायची पाउडर

ऐसे बनाएं

सबसे पहले ब्रेड के स्लाइस के साइड पार्ट्स यानी ब्राउन वाले हिस्से को काटना है। इन ब्रेड को गोल-गोल शेप में काट लें। अब एक पैन में दूध उबाल लें और दूध में चुटकी भर हल्दी डाल लें, जिससे कि कलर अच्छा आए। फिर इसमें इलायची पाउडर डाल दें और दूध उबलने के बाद इसमें किशमिश डालें फिर बादाम डालकर अच्छे से उबाल लें।

अब गैस बंद कर दूध को थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें और इसमें कंडेंस्ड मिल्क डालकर अच्छे से मिला लें। कंडेंस्ड मिल्क डालने से इसमें मिठास आएगी और आपको अलग से चीनी नहीं डालनी पड़ेगी। अब बाउल में ब्रेड स्लाइस डालें और ऊपर से दूध का मिश्रण डालकर ब्रेड को भीगने दें। अब ऊपर से कटे बादाम डालकर डालकर सर्व करें। आप चाहें तो इसको ठंडा या गर्म दोनों तरीकों से खा सकते हैं। इस तरह से इंस्टेंट ब्रेड से बनी स्वादिष्ट ब्रेड रसमलाई तैयार है। आप चाहें तो इसको 1 सप्ताह के लिए फ्रीज में भी स्टोर करके खा सकते हैं।

19वें हॉस्पिटैलिटी इंडिया वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार 2024

सुषमा रानी

नई दिल्ली। डीएलके पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड ने नेपाल पर्यटन बोर्ड के सहयोग से और छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के समर्थन से होटल द सूर्या, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, बॉलरूम बैंक्वेट हॉल में 19वें हॉस्पिटैलिटी इंडिया वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन और यात्रा पुरस्कार का आयोजन किया।

इस अवसर पर के.जे. अल्फोंस - आईएएस (सेवानिवृत्त) माननीय पूर्व केंद्रीय मंत्री, पर्यटन भारत सरकार, मुख्य अतिथि थे और वीरेंद्र सचदेवा, माननीय प्रदेश अध्यक्ष - दिल्ली, भारतीय जनता पार्टी दिल्ली, दिनेश प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी - भाजपा, श्याम जाजू, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

डॉ. सुभाष गोयल, संस्थापक और अध्यक्ष, एसटीआईसी ट्रैवल ग्रुप, पार्षद सुनील चोपड़ा, साउथवार्क, यूके-लंदन के पूर्व मेयर, पशुपति भंडारी, एवरेस्ट इन ग्रुप यूके के अध्यक्ष और पूर्व मानद जनसंपर्क प्रतिनिधि (नेपाल पर्यटन बोर्ड - यूके), अनिल शर्मा, भारतीय फिल्म निर्देशक और निर्माता और विनोद बच्चन, निर्माता और बॉलीवुड अभिनेता और नितिन कपूर, प्रबंध निदेशक रेडिसन ब्लू प्लाजा दिल्ली एयरपोर्ट इस भव्य समारोह के लिए हमारे विशेष अतिथि हैं।

हम भारतीय जनता पार्टी के सभी सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति से भी बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जिन्होंने भारत में पर्यटन और आतिथ्य उद्योग की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

19वें हॉस्पिटैलिटी इंडिया वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार 2024 ने खुद को पर्यटन और आतिथ्य उद्योग क्षेत्र के सितारों और कप्तानों को सम्मानित करने के लिए एक मंच के रूप में स्थापित किया। पुरस्कारों ने न केवल आतिथ्य क्षेत्र को बल्कि शिक्षा, रियल एस्टेट, अस्पताल, होटल और रेस्तरां, एयरलाइंस आदि जैसे क्षेत्रों के योग्य नेताओं को भी मान्यता दी। हर साल हॉस्पिटैलिटी इंडिया मेहनती नामांकित व्यक्तियों को खोजने की पहल करता है और यह स्वीकार करता है कि पुरस्कार के प्राप्तकर्ता सर्वश्रेष्ठ हैं।

पुरस्कार कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नृत्य प्रदर्शनों और डिजाइनर रोजी अहलूवालिया द्वारा फैशन शो के साथ मनोरंजन की रात भी शामिल थी।

हमेशा की तरह एक बार फिर हॉस्पिटैलिटी इंडिया पब्लिकेशन के प्रबंध निदेशक सुनीत कालरा ने कहा, "हॉस्पिटैलिटी इंडिया ट्रैवल अवार्ड्स यात्रा और पर्यटन क्षेत्र को प्रेरित करता है जो दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक क्षेत्रों में से एक है, जो दुनिया भर में निर्यात और समृद्धि पैदा करता है। भारतीय पर्यटन क्षेत्र कोविड के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के प्रमुख चालकों में से एक के रूप में उभरा है। आगे कहते हैं, "मैं अपने वार्षिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों की निरंतर सफलता से काफी खुश हूं, जिसका उद्देश्य आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र की उपलब्धियों और विकास को मान्यता देना है। हमारा इरादा भारतीय पर्यटन क्षेत्र की ओर ध्यान आकर्षित करना है और इसे वैश्विक मंच पर लाना है। एक विस्तृत पुरस्कार समारोह की इस अवधारणा की स्थापना मेरे दिवंगत पिता डीएल कालरा ने आतिथ्य क्षेत्र को फिर से परिभाषित करने और इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए की थी।

हॉस्पिटैलिटी इंडिया पब्लिकेशन्स की निदेशक रजनी कालरा ने कहा, ₹हॉस्पिटैलिटी इंडिया ट्रैवल अवार्ड्स उद्योग द्वारा उन लोगों को दिए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण पुरस्कारों में से एक है जो इसके दिल की धड़कन हैं। यह पूरे हॉस्पिटैलिटी परिवार को अपने भागीदारों की कड़ी मेहनत और समर्पण का जश्न मनाने और उजागर करने के लिए एक साथ लाता है। वह आगे कहती हैं, ₹हॉस्पिटैलिटी इंडिया ट्रैवल अवार्ड्स इवेंट का उद्देश्य हमेशा उन सभी को पहचानना रहा है जिन्होंने यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में योगदान दिया है।

हमने हमेशा उन लोगों की सराहना की है जिन्होंने आतिथ्य और यात्रा क्षेत्र में योगदान दिया है - चाहे वह छोटे या बड़े पैमाने पर हो।₹ हम इस कार्यक्रम की मेजबानी के लिए छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड और होटल द सूर्या नई दिल्ली न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी के बहुत आभारी हैं।

आतिथ्य उद्योग क्षेत्रों के हमारे सभी अन्य समर्थक हॉस्पिटैलिटी इंडिया पब्लिकेशन्स ग्रुप के प्रति अपना विशाल समर्थन देने के लिए।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर शक्ति स्थल और प्रदेश कार्यालय, राजीव भवन में पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी

सुषमा रानी

नयी दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न इंदिरा गांधी के शहीदी दिवस पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में इंदिरा की तस्वीर पर फूल चढ़ाकर श्रद्धाजंलि अर्पित की। इससे पूर्व यादव ने शक्ति स्थल जाकर इंदिरा गांधी को पुष्पाजंलि अर्पित की।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के अलावा पूर्व विधायक भीष्म शर्मा, कुंवर करण सिंह, जिला अध्यक्ष धर्मपाल चंदेला, इंन्द्रजीत सिंह, राजकुमार जैन, मनोज यादव और सतबीर शर्मा, राजेन्द्र तंवर, जे.पी. पंवार, अशोक भसीन, नरेश शर्मा नीटू, सेवादल मुख्य संगठक सुनील कुमार ने मुख्य रुप मौजूद थे।

यादव ने कहा कि नारी शक्ति की मिसाल इंदिरा गांधी देश की पहली और इकलौती महिला प्रधानमंत्री बनी, उन्होंने हमेशा अखंड भारत के स्वरूप को और मजबूत बनाने के निर्णायक फैसले लिए, जिसकी बदौलत आज भारत का नाम विश्व के सर्वोच्च देशों की श्रेणी में आता है। प्रधानमंत्रित्व काल में इंदिरा की बेमिसाल विदेश नीति के फैसलों से ही भारतीयों को विदेशों में व्यापार करने और युवाओं को शिक्षा प्राप्त करने के नए रास्ते खुले।

यादव ने कहा कि कांग्रेस के प्रति देशवासियों में अटूट विश्वास का ही प्रमाण था कि इंदिरा गांधी ने 1966-1977 तक और 1980-1984 तक चार बार प्रधानमंत्री के रुप में देश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार, स्वतंत्रता संग्राम में संघर्ष की परम्परा और देशवासियों से लगाव के कारण ही इंदिरा ने सुदृढ़ और परिपक्व सोच और संगठित विचारधारा से देश को विश्व पटल पर सुदृढ़ बनाने के लिए अभूतपूर्व काम किए थे। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी अपने फैसले लेने में खुद सक्षम थी, जिसका लोहा पूरी दुनिया ने माना, जिसका उदाहरण पाकिस्तान को विभाजित करके बंग्लादेश बनाना था।

उन्होंने कहा कि देश को आर्थिक रुप से परिपक्व बनाने के लिए इंदिरा गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण करके बैंकों को हर वर्ग तक पहुँचाने का ऐतिहासिक फैसला लिया, जबकि वर्तमान की भाजपा की केन्द्र सरकार एक-एक करके बैंकों का निजीकरण करके निजी हाथों में सौंप रही है। इंदिरा द्वारा बैंकों का राष्ट्रीयकरण करना देश के विकास में अभूतपूर्व साबित हुआ।

यादव ने कहा कि इंदिरा गांधी ने गरीबों, वंचितों, जरूरतमंदों के लिए ऐसी कल्याणकारी सरकारी योजनाओं को कार्यान्वित किया, जिसके लिए लोग आज भी इंदिरा गांधी को याद करते है। उन्होंने कहा कि लोगों के जीवन स्तर को सुधारने, उनके सर पर छत देने की दिशा में दिल्ली में जे.जे. कॉलोनियों और पुर्नवासित कॉलोनियों को इंदिरा गांधी ने ही बसाया था। वर्तमान में दिल्ली की आधी से अधिक आबादी इन कंपनियों में बसती है।

जयशंकर से मिले चीनी विदेश मंत्री: क्या भारत-चीन के बीच सीधी उड़ान सेवा होगी शुरू; किन मुद्दों पर बनी बात?

परिवहन विशेष

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख के पास वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चल रहे सैन्य तनाव को समाप्त करने के बाद भारत और चीन ने अपने द्विपक्षीय संबंधों के अगले चरण पर बातचीत शुरू कर दी है। इसके तहत ब्राजील की राजधानी रियो डी जनेरो में विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बैठक में द्विपक्षीय संबंधों के दूसरे सभी आयामों पर बात हुई।

भारत-चीन के विदेश मंत्रियों के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने, साझा नदियों के जल बंटवारे पर डाटा का आदान-प्रदान करने और दोनों देशों के बीच फिर से सीधी उड़ान सेवाओं की शुरुआत जैसे मुद्दों पर भी बात आगे बढ़ी है।

इसके अलावा यह भी सहमति भी बनी है कि सीमा विवाद के स्थायी समाधान के लिए विशेष प्रतिनिधि स्तर पर होने वाली बातचीत भी शीघ्र शुरू की जाएगी। बैठक में इस पर भी सहमति बनी है कि अगले वर्ष कूटनीतिक संबंधों के 75वीं वर्षगांठ पर कई तरह के द्विपक्षीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

21 अक्टूबर, 2024 को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन (कजान, रूस) के दौरान मोदी और शी जिनपिंग के बीच हुई मुलाकात में अप्रैल, 2020 से चल रहे सैन्य तनाव को समाप्त करने की सहमति बनी थी। उसके दो हफ्तों के भीतर ही जिन दो स्थलों पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच पेट्रोलिंग को लेकर विवाद चल रहा था, उसे सुलझा लिया गया था।

ब्राजील की राजधानी रियो डी जनेरो में सोमवार को देर रात हुई उक्त बैठक में जयशंकर ने कहा कि "भारत बहुध्रुवीय विश्व व बहुध्रुवीय एशिया के प्रति प्रतिबद्ध है। जहां तक भारत की विदेश नीति का सवाल है तो यह सिद्धांतों पर आधारित और स्थिर है। हम किसी भी एक शक्ति के वर्चस्व के खिलाफ हैं। भारत किसी भी देश के साथ अपने रिश्ते को किसी दूसरे देश के साथ जोड़ कर नहीं देखता। जी-20 और इसके पहले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान हमारी मुलाकात हुई है। इन दोनों प्लेटफार्मों में हमारा योगदान इनके परिणाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।"

जयशंकर ने आगे कहा, "यह बताता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में दोनों देशों का क्या महत्व है। कजान (ब्रिक्स बैठक के दौरान) दोनों देशों के नेताओं के बीच हमारे द्विपक्षीय रिश्तों के भविष्य को देख कर ही सहमति बनी थी। मुझे इस बात की खुशी है कि जैसी योजना थी उसी के मुताबिक क्रियान्वयन हुआ है।"

चीनी विदेश मंत्री ने क्या कहा?

चीन के विदेश मंत्रालय की तरफ से जो सूचना दी गई हैं, उसमें बताया गया है कि वांग यी ने बैठक में कहा कि भारत व चीन पड़ोसी विकासशील देश हैं। इनके बीच असमानताओं से ज्यादा समानताएं हैं। ऐसे में दोनों देशों को एक दूसरे के विकास को अवसर के तौर पर देखना चाहिए और साझा विकास के लिए आपस में काम करना चाहिए।

उन्होंने यह भी माना का भारत भी चीन की तरफ से गुटनिरपेक्ष विदेशनीति अपनाते हैं और बहुदेशी संगठनों को ज्यादा लोकतांत्रिक बनाने के पक्षधर हैं। वांग यी ने कहा कि दोनों देशों को ज्यादा उड़ान सेवा शुरू करने, दोनों देशों के नागरिकों-कारोबारियों व बुद्धिजीवियों को ज्यादा वीजा देने का आग्रह किया।

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास व पंचायती राज सस्थान ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया

सुषमा रानी

नई दिल्ली। सरस आजीविका मेला 2024 में आज स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय ग्रामीण विकास व पंचायती राज संस्थान तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा किया गया। इसमें पूरे देश के 31 राज्यों से आई हुईं पचास के करीब महिलाओं ने भाग लिया। आज कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन (आईआईएमसी) की प्रोफेसर संगीता प्रणवेंद्र रहीं। आज के कार्यशाला में ग्राहकों से बातचीत कैसे करें? इस बात पर आयोजित किया गया। साथ ही बताया गया कि धैर्य पूर्वक अपने प्रोडक्ट की ख़ासियत कैसे बताए? प्रोडक्ट की प्राइस बताते समय क्या सावधानी बरतें और विनम्रतापूर्वक प्रोडक्ट की प्राइस पर समझौता न करने का व्यवहार। स्टाल पर आये कस्टमर का मनोविज्ञान कैसे पढे। कस्टमर को उसकी ज़रूरत के मुताबिक़ अपने प्रोडक्ट की ख़ासियत कैसे बताएं व कस्टमर को अपने प्रोडक्ट का आदी कैसे बनाए। मार्केट की प्रतिस्पर्धा को कैसे समझे और न ख़रीदने वाले कस्टमर के साथ सुखद व्यवहार कैसे करें। कार्यशाला के दौरान राष्ट्रीय ग्रामीण विकास व पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) की रुचिरा भट्टाचार्य, चिरंजी लाल कटारिया, सुधीर कुमार सिंह, सुरेश प्रसाद समेत तमाम अधिकारी व स्वयं सहायता समूह की महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने इसकी सराहना की।

ज्ञात हो कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) द्वारा समर्थित सरस आजीविका मेला 2024 का आयोजन भारत मंडपम में 43वें विश्व व्यापार मेले में किया गया है। 14 नवंबर से 27 नवंबर तक चलने वाले इस उत्सव में 31 राज्यों की 300 से अधिक महिला शिल्प कलाकार, 150 से अधिक स्टॉलों पर अपनी-अपनी उत्कृष्ट प्रदर्शनी का प्रदर्शन व बिक्री कर रही हैं। सरस आजीविका मेला भारत मंडपम के हॉल नंबर– 9 और 10 में लगाया गया है। सरस आजीविका मेला के दौरान देश भर के 31 राज्यों के हजारों उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री हो रही है।

दिल्ली विधानसभा आखिरी सत्र की तारीख आई सामने, 3 दिसंबर तक चलेगा

नई दिल्ली (सुषमा रानी)

दिल्ली विधानसभा के मौजूदा कार्यकाल का आखिरी सत्र 29 नवंबर से शुरू होगा। इस सत्र में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत का इस्तीफा और भाजपा पर गहलोत का हमला शामिल हैं। विधानसभा का पांच साल का कार्यकाल 2025 में समाप्त होगा। फरवरी महीने में 70 सीटों के लिए चुनाव होंगे।

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के मौजूदा कार्यकाल का आखिरी सत्र 29 नवंबर से होगा। विधानसभा की बैठक 29 नवंबर, 2 दिसंबर और 3 दिसंबर को तय की गई है। 30 नवंबर और एक दिसंबर को अवकाश के चलते सदन नहीं चलेगा। विधानसभा कार्यालय की ओर से कहा गया है कि कामकाज की जरूरतों के आधार पर सदन की बैठक को बढ़ाया जा सकता है।

विधानसभा का पांच साल का कार्यकाल 2025 में समाप्त होगा। फरवरी महीने में 70 सीटों के लिए चुनाव होंगे। सातवीं विधानसभा का गठन 24 फरवरी, 2020 को हुआ था, जिसमें आप भारी जनादेश के साथ सत्ता में आई थी।

चुनावों की अधिसूचना जल्द जारी होने की उम्मीद

फरवरी 2025 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए अधिसूचना जल्द ही चुनाव आयोग द्वारा जारी किए जाने की उम्मीद है। दिल्ली विधानसभा के एक बुलेटिन में कहा गया है कि सातवीं विधानसभा के पांचवें सत्र का तीसरा भाग 29 नवंबर को सुबह 11 बजे आयोजित होने जा रहा है।

पिछले सत्र में गहलोत ने बोला था भाजपा पर हमला

यह ऐसा सदन होने जा रहा है कि जिसके कुछ समय पहले ही दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत (Kailash Gahlot) ने इस्तीफा देकर आम आदमी पार्टी (AAP) छोड़ दी है, जबकि पिछले विधानसभा सत्र में गहलोत ने बहुत आक्रामक तरीके से भाजपा पर हमला बोला था। भाजपा द्वारा बसों की खरीद में घपले की बात पर गहलोत भड़क गए थे। इस सत्र के हंगामेदार रहने के आसार हैं।

दिल्ली के सर्दियों के वायु प्रदूषण के लिए क्लाउड सीडिंग एक व्यवहार्य समाधान नहीं है

नई दिल्ली। हाल ही में हुई चर्चाओं ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि क्लाउड सीडिंग का उपयोग दिल्ली के सर्दियों के गंभीर वायु प्रदूषण के संभावित समाधान के रूप में किया जा सकता है। हालांकि, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (NCMRWF) के वैज्ञानिक इस बात की पुष्टि करते हैं कि इस समय के दौरान क्लाउड सीडिंग इस क्षेत्र के लिए एक व्यवहार्य विकल्प नहीं है।

दिल्ली की सर्दियों में क्लाउड सीडिंग की प्रभावशीलता को कई कारक सीमित करते हैं:

- उपयुक्त बादलों की कमी: क्लाउड सीडिंग के लिए पर्याप्त नमी वाले विशिष्ट प्रकार के बादलों की आवश्यकता होती है। दिल्ली का सर्दियों का मौसम आमतौर पर शुष्क होता है, और मौजूदा बादल अक्सर सीडिंग के लिए अनुपयुक्त होते हैं।
- संवहन प्रभाव: पश्चिमी विक्षोभ क्षेत्र में ऐसे बादल लाते हैं जो सीडिंग के लिए अनुकूल नहीं होते हैं। इसके अतिरिक्त, ये मौसम पैटर्न लगातार वायु प्रदूषकों की भरपाई करते हैं, जिससे क्लाउड सीडिंग का संभावित प्रभाव कम हो जाता है।
- उथली प्रदूषण परत: दिल्ली की प्रदूषण परत 300-500 मीटर गहरी और अपेक्षाकृत उथली है; साथ ही, ज़मीन के पास ठंडी हवा की एक परत बनती है, जो प्रदूषकों को फँसाती है और उन्हें फैलने से रोकती है; यह निचले वायुमंडल में एक बहुत ही स्थिर सीमा परत बनाती है, जो वर्ष के इस समय के दौरान प्रदूषकों को फँसाती है। क्लाउड सीडिंग इस परत को प्रभावी रूप से भेदकर महत्वपूर्ण वर्षा नहीं ला सकती है। जबकि क्लाउड सीडिंग ने अन्य संदर्भों में जल संसाधन प्रबंधन के लिए वादा दिखाया है, यह दिल्ली के सर्दियों के वायु प्रदूषण संकट के लिए एक व्यावहारिक समाधान नहीं है। क्षेत्र की खराब वायु गुणवत्ता के मूल कारणों को दूर करने के लिए वैकल्पिक समाधानों की खोज की जानी चाहिए।

खुशखबरी! दिल्ली से सटे इस शहर के 24 मार्गों पर चलेंगी 500 ईवी बसें, पढ़ें रूट और टाइमिंग

परिवहन विशेष न्यूज

Noida Bus Service गौतमबुद्ध नगर और इसके आसपास रहने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। प्रशासन आंतरिक परिवहन सेवा के लिए ई बस का संचालन करने जा रही है। इन बसों को शहर में 24 मार्गों पर चलाया जाएगा। यह सेवा सुबह छह बसे से रात साढ़े दस बजे तक सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। एक क्लिक में पढ़ें और अपडेट्स।

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में आंतरिक परिवहन सेवा के लिए ई बस का संचालन होगा। बस संचालन के लिए कुल 24 मार्ग निर्धारित किए गए हैं। नोएडा में 13, ग्रेटर नोएडा में नौ व यीडा क्षेत्र में दो मार्ग पर बस सेवा संचालित होगी। सुबह छह बसे से साढ़े दस बजे तक बस सेवा उपलब्ध होगी। दस से पंद्रह मिनट के अंतराल पर बस सेवा उपलब्ध होगी।

बस संचालन के लिए दो ऑपरेटर का चयन किया जाएगा। इसके लिए प्रस्ताव मांगे जा चुके हैं। 12 मीटर व नौ मीटर की ईवी बस का जिले में संचालन किया जाएगा। जिले में सार्वजनिक परिवहन सेवा की कमी को लेकर दैनिक जागरण भी अपना अभियान चला चुका है। इसके बाद परियोजना को गति मिली है।

गौतमबुद्ध नगर की आबादी बीस लाख से अधिक है। जिले में नोएडा (Noida), ग्रेटर नोएडा (Greater Noida) यमुना प्राधिकरण (Yamuna Authority) के अलावा यूपीसीडा, आईआईटीजीएनएल औद्योगिक विकास प्राधिकरण है। प्रतिदिन लाखों लोग नौकरी व छात्र कालेज जाने के लिए सार्वजनिक वाहनों का इस्तेमाल करते हैं, इसके बावजूद जिले में मेट्रो व उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम की सीमित बसों के अलावा सार्वजनिक परिवहन की सेवा बेहद लचर है।

जिले के अधिकतर इलाके परिवहन सेवा से अछूते हैं, इसके चलते शहर में डग्गामार बस, टैंपों आटो की भरमार है। ये वाहन सड़कों पर जाम की बड़ी वजह बन चुके हैं। इनके मार्ग तय न होने के कारण लोगों को सार्वजनिक परिवहन सेवा का अभाव का सामना करना पड़ रहा है।

परिवहन सेवा की कमी को दूर करने के लिए पांच सौ ईवी बसों के संचालन की योजना तैयार की गई है। तीनों प्राधिकरण बस सेवा संचालन के लिए संयुक्त स्पेशल परपज व्हीकल एसपीवी का गठन करेंगे। परियोजना की लागत करीब छह सौ करोड़ रुपये आंकी गई है।

इसके अनुसार 12 मीटर की 250 व नौ मीटर की 250 ईवी बस का संचालन होगा। नोएडा में दो स्थानों पर बस चार्जिंग की व्यवस्था होगी। ग्रेटर नोएडा व यीडा क्षेत्र में बस चार्जिंग स्टेशन के लिए जगह का चयन किया जा रहा है।

यह मार्ग किए गए निर्धारित

- नोएडा में 13 मार्ग पर होगा संचालन बस संख्या 257
- बॉटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन से दादरी बस स्टाप वाया सेक्टर-49 डी ब्लाक, एनएसईजेड, फेज-2, सूरजपुर।
- सेक्टर-2 वाया मोरना व आइएसबीटी नोएडा।
- सिटी सेंटर वाया सेक्टर-36 गोल्फ कोर्स, सुल्तानपुर, भंगेल से केसर अपार्टमेंट - बाटेनिकल गार्डन से डिपो मेट्रो स्टेशन ग्रेटर नोएडा वाया अट्टा मार्केट, जीआइपी, एचसीएल, एमिटी विश्वविद्यालय, एडवेंट, परी चौक।
- सेक्टर-12, 22 से कासना वाया निठारी, कुलेसरा, हबीबपुर, सूरजपुर कलक्ट्रेट - बिरला इंस्टीट्यूट मेसरा सेक्टर एक से सेक्टर-62 वाया अट्टा मार्केट, बाटेनिकल गार्डन, सिटी सेंटर, आरटीओ कार्यालय व सेक्टर-59।
- सेक्टर-62 से एनएसईजेड मेट्रो
- सेक्टर-62 से दादरी वाया सेक्टर-76, सूरजपुर एलजी चौक।
- बॉटेनिकल गार्डन से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन वाया अक्षरधाम व आइटीओ - बाटनिकल गार्डन से कश्मीरी गेट वाया अक्षरधाम, लक्ष्मीनगर, गीता कालोनी, विजय घाट।
- सेक्टर-90 से सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन।
- सेक्टर-15 से विजय नगर गाजियाबाद वाया अट्टा मार्केट, सिटी सेंटर, चार मूर्ति, ताज हाइवे, एनएच 24 व विजय नगर।
- नोएडा स्टेडियम से वीर सावरकर चौक वाया पुलिस स्टेशन सेक्टर-20, सेक्टर-28, एचसीएल-एमिटी वि., सेक्टर-148, परी चौक, कासना।

ग्रेटर नोएडा में नौ मार्ग हुए निर्धारित बस संख्या 196

- शशि चौक से एस सिटी वाया स्टेलर जीवन ईको विलेज, किसान चौक, सेक्टर-71
- शारदा विश्वविद्यालय वाया डीआइटी, निर्माण कुंज, जीबीयू, कासना
- एक मूर्ति चौक से जीबीयू वाया चार मूर्ति, यथार्थ अस्पताल, आम्रपाली वेस्ट, गलेरिया माल, यामहा मोटर्स, कलेक्ट्रेट परी चौक से जीबीयू गेट नंबर एक
- ग्रेनो वेस्ट से बाटेनिकल गार्डन वाया सेक्टर-72, सेक्टर-51, शशि चौक
- दादरी से जीबीयू वाया कासना
- परी चौक से डेल्टा-2, ग्रेनो प्राधिकरण आफिस, कासना, जेपी ग्रींस
- परी चौक से आनंद विहार रेलवे स्टेशन वाया अक्षरधाम, लक्ष्मीनगर
- परी चौक से साहिबाबाद नमो भारत स्टेशन वाया सूजरपुर, एलजी चौक, नोएडा फेज-2 व सेक्टर-62 होते हुए।
- दादरी से गाजियाबाद रेलवे स्टेशन वाया लाल कुआं।

यीडा क्षेत्र में दो मार्ग तय 52

- परी चौक से नोएडा एयरपोर्ट वाया रबुपूरा
- कासना बस डिपो से नोएडा एयरपोर्ट वाया गलगोटिया विश्वविद्यालय

दिल्ली से सटे इस शहर में अब वर्क फ्रॉम होम, प्राइवेट और कॉरपोरेट दफ्तरों के लिए एडवाइजरी जारी

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम के डीसी अजय कुमार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा जारी निर्देशों की अनुपालना में एडवाइजरी जारी की है। जिला गुरुग्राम के सभी निजी संस्थानों और कॉर्पोरेट कार्यालयों को सलाह दी है कि वे अपने कर्मचारियों को 20 नवंबर से अगले आदेश तक घर से काम करने के लिए कहें। ताकि प्रदूषण को कम करने में मदद मिल सके।

गुरुग्राम। गुरुग्राम के डीसी अजय कुमार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) द्वारा जारी निर्देशों की अनुपालना में एडवाइजरी जारी की है। जिला गुरुग्राम के सभी निजी संस्थानों और कॉर्पोरेट कार्यालयों को सलाह दी जाती है कि वे अपने कर्मचारियों को 20 नवंबर से अगले आदेश तक घर से काम करने के लिए निर्देशित करें और ऐसा करके, क्षेत्र में वायु गुणवत्ता को बनाए रखने और सुधारने के उद्देश्य से GRAP उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन में सहायता करें।

गुरुग्राम में प्रदूषण का कहर

गुरुग्राम में मंगलवार सुबह सात बजे गुरुग्राम में एयर क्वालिटी इंडेक्स 436 दर्ज किया गया। दिन में भी प्रदूषण से राहत नहीं मिली और दिनभर स्मॉग की स्थिति बनी रही। तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है और हवा की गति भी थम गई है।

ऐसे में प्रदूषण छंट नहीं रहा है और एक ही जगह पर एकत्रित हो रहा है। लगातार बढ़ रहे प्रदूषण के चलते पूरे एनसीआर में ग्रेप का चौथा चरण लागू है। सभी तरह के निर्माण कार्यों, होटल व ढाबों में तंदूर और कायले के जलाने सहित प्रदूषण फैलाने वाली सभी तरह की गतिविधियों पर रोक लगी हुई है, लेकिन इसके बावजूद नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है।

सड़कों पर पानी के छिड़काव में खानापूर्ति

पानी का छिड़काव करने में खानापूर्ति नगर निगम, जीएमडीए सहित अन्य विभाग सड़कों पर पानी का छिड़काव करने में खानापूर्ति कर रहे हैं। टूटी सड़कों से उड़ रही धूल प्रदूषण को बढ़ा रही है। सदर्न पेरिफेरल रोड, सीपीआर से मानेसर, बसई रोड, पटौदी रोड सहित पुराना दिल्ली रोड पर भी धूल उड़ रही है।

सड़कों की मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों से सफाई के नाम पर सिर्फ निगम का बिल बढ़ाया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार हवा चलने या वर्षा होने के बाद ही प्रदूषण से राहत मिल सकती है।

तीन लाख तीन हजार रुपये का जुर्माना लगाया

मंगलवार को निगम की टीमों ने क्षेत्र में निगरानी करते हुए ग्रेप नियमों के उल्लंघन करने वाले 44 व्यक्तियों पर तीन लाख तीन हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। इनमें तंदूर में कोयला या लकड़ी जलाने के मामले में 27 चालान, प्रतिबंध के बावजूद निर्माण व तोडफ़ोड़ करने के मामले में 14 चालान, कचरा डंपिंग के मामले में एक चालान, बिना ढक्के निर्माण सामग्री रखने या परिवहन करने के मामले में दो चालान तथा प्रदूषण बढ़ाने वाली अन्य गतिविधियां करने के मामले में दस चालान किए गए हैं।

वहीं, नगर निगम गुरुग्राम के संयुक्त आयुक्त प्रदीप कुमार ने भी विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करके सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र में सफाई व्यवस्था बेहतर करने तथा कचरे का नियमित उठान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ग्रेप चार के तहत प्रतिबंधित गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए तथा अगर कोई व्यक्ति इस प्रकार की गतिविधि करता है, तो उसे तुरंत रोकने के साथ ही उसका नियमानुसार चालान किया जाए।

जेवर में अतिक्रमण हटाने गई टीम के साथ दुकानदारों और कर्मियों की झड़प, हमले में कई घायल

जेवर के मुख्य मार्गों से अतिक्रमण हटाने के दौरान नगर पंचायत कर्मियों और दुकानदारों के बीच झड़प हो गई। मारपीट और पथराव में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। कार्रवाई के दौरान पुलिस और प्रशासन की टीम मौजूद नहीं थी। दुकानदारों का आरोप है कि नगर पंचायत कर्मियों ने उन पर हमला किया जबकि नगर पंचायत का कहना है कि दुकानदारों ने जेसीबी संचालक पर हमला किया।

नोएडा। जेवर के मुख्य मार्गों से अतिक्रमण हटाने के दौरान नगर पंचायत कर्मियों एवं दुकानदारों के बीच मंगलवार को झड़प हो गई। कुछ ही देर में मारपीट और पथराव शुरू हो गया। इसमें दुकानदार पक्ष के तीन लोग व नगर पंचायत के चार कर्मी घायल हो गए।

कार्रवाई के दौरान रबूपुरा रोड व टप्पल रोड पर वाहनों की कतार लग गईं। झगड़े के कारण अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को बीच में रोकना पड़ा। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर मारपीट का आरोप कोतवाली पहुंचकर पुलिस के सामने लगाया। कार्रवाई के दौरान नगर पंचायत ने पुलिस व प्रशासन की टीम को साथ नहीं लिया था।

बिना पुलिस की मौजूदगी में शुरू की कार्रवाई

नगरपंचायत की ओर से दो दिन पूर्व दुकानदारों से सड़क से अतिक्रमण हटाने के लिए सूचना दी गई थी। ई रिक्शा के माध्यम से इसका प्रचार किया गया था। तय कार्यक्रम के तहत नगर पंचायत की टीम ने बिना पुलिस प्रशासन की मौजूदगी के मंगलवार दोपहर करीब बारह बजे तहसील मुख्यालय के समीप से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की।

हालांकि ज्यादातर दुकानदारों ने पहले ही अपनी दुकानों के सामने से अतिक्रमण हटा लिया था, लेकिन कुछ दुकानों के सामने से लगी टीन आदि को नगरपंचायत के कर्मियों ने हटाने की कार्रवाई शुरू की, करीब एक घंटे तक कार्रवाई शांतिपूर्ण चली और मुख्य चौराहे तक अतिक्रमण हटा दिया गया।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लगाए गंभीर आरोप

मुख्य चौराहे से टप्पल रोड की तरफ अतिक्रमण हटाने के लिए एक परचून की दुकान के सामने बने नाले के पत्थरों को जेसीबी की सहायता से तोड़ा जा रहा था। उसी दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं।

नगरपंचायत कर्मियों का आरोप है कि अतिक्रमण हटाने के दौरान दुकानदार ने जेसीबी संचालक को थप्पड़ मार दिया, इसके बाद पथराव शुरू कर दिया। पथराव में नगरपंचायत कर्मी विजेंद्र हवलदार के हाथ, आकाश के सिर तथा मनोज के सिर में पत्थर लगाने वह गंभीर रूप से घायल हो गये।

परचून विक्रेता पवन का आरोप है कि नाले के पत्थर तोड़ने का उन्होंने विरोध नहीं किया था। जेसीबी संचालन ने शटर के नीचे के फाउंडेशन को तोड़ दिया था, विरोध करने पर नगरपंचायत कर्मियों ने फावड़े व पत्थर से हमला शुरू कर दिया। अन्य दुकानदारों पर भी हमला किया गया।

पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए भेजा

इसमें तीन दुकानदार घायल हो गए। विरोध में व्यापारियों ने दुकान बंद कर दी और पुलिस से नगरपंचायत कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने घायलों को चिकित्सीय जांच के लिए भेजा। नगरपंचायत कर्मियों ने बुधवार तक रिपोर्ट दर्ज नहीं करने पर धरने की चेतावनी दी है।

नगरपंचायत के अधिशासी अधिकारी एवं तहसीलदार जेवर विवेक कुमार भदौरिया का कहना है कि मुनादी के बाद नगर पंचायत द्वारा अतिक्रमण हटाने की शुरूआत की थी। रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में घटना के चलते पुलिसबल नहीं मिल सका। कुछ उपद्रवी तत्वों ने कार्रवाई का विरोध कर हमला किया। उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।

भाजपाई हुए कैलाश गहलोत, केजरीवाल के लिए बहुमत पाना होगा मुश्किल

परिवहन विशेष न्यूज

अगर वाकई भाजपा, अपनी रणनीति में कामयाब हो जाती है तो निश्चित तौर पर इसका असर आम आदमी पार्टी पर पड़ेगा। आप के लिए इस बार बड़ी चुनौती सिर्फ भाजपा की तरफ से ही नहीं आ रही है बल्कि कांग्रेस खासकर राहुल गांधी भी इस बार दिल्ली में पार्टी को मजबूत देखना चाहते हैं।

रविवार को दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने वाले कैलाश गहलोत ने सोमवार को भाजपा का दामन थाम लिया। हालांकि गहलोत के आतिशी मंत्रिमंडल और आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने के साथ ही यह तय माना जा रहा था कि उनका अगला ठिकाना भाजपा ही होने जा रहा है।

इसी के साथ अब यह सवाल खड़ा हो गया है कि कैलाश गहलोत कुछ महीनों बाद ही दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को कितना फायदा पहुंचा सकते हैं। सवाल यह भी खड़ा हो रहा है कि क्या कैलाश गहलोत का कद वाकई इतना बड़ा है कि 'शीशमहल' सहित उनके द्वारा लगाए गए तमाम आरोपों से अरविंद केजरीवाल की छवि को कुछ नुकसान पहुंच सकता है।

यह बात बिल्कुल सही है कि कैलाश गहलोत आज जो आरोप लगा रहे हैं,लगभग उसी तरह के आरोप भाजपा पिछले लंबे समय से लगा रही है। दूसरी बात यह है कि , यह सब जानते हैं और मानते भी हैं कि आज की तारीख में आम आदमी पार्टी वन मैन पार्टी बन कर रह गई है। आप का मतलब, आज की तारीख में सिर्फ अरविंद केजरीवाल ही रह गया है। ऐसे में बाकी मुद्दे लगभग गौण हो जाते हैं।

अरविंद केजरीवाल की दिल्ली में सबसे बड़ी ताकत वो लाभार्थी वर्ग है जो उन्होंने महिलाओं को फ्री डीटीसी बस सेवा और दिल्लीवासियों को फ्री बिजली और पानी देकर तैयार किया है। इसके साथ ही केजरीवाल ने बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाले लोगों के साथ-साथ जाट और मुस्लिम समुदाय के सॉलिड वोट बैंक का इतना मजबूत किला बना रखा है कि जिसे ढहाना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

यही वजह है कि भाजपा इस बार अरविंद केजरीवाल के मजबूत मोहरों के सहारे ही उन्हें विधानसभा चुनाव में मात देना चाहती है। कैलाश गहलोत का भाजपा में आना तो महज एक शुरुआत माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में केजरीवाल के कई कद्दावर नेता भाजपा का दामन थाम सकते हैं। ये सभी नेता आप सरकार की विफलताओं के साथ- साथ केजरीवाल की छवि पर भी चोट करेंगे।

कैलाश गहलोत को पार्टी में शामिल कराकर भाजपा ने दिल्ली के जाट समुदाय को बड़ा संदेश देने का प्रयास किया है। आने वाले दिनों में भाजपा , आप में और ज्यादा तोड़-फोड़ कर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाले दिल्ली के मतदाताओं को भी लुभाने का प्रयास करेगी।

अगर वाकई भाजपा, अपनी रणनीति में कामयाब हो जाती है तो निश्चित तौर पर इसका असर आम आदमी पार्टी पर पड़ेगा। आप के लिए इस बार बड़ी चुनौती सिर्फ भाजपा की तरफ से ही नहीं आ रही है बल्कि कांग्रेस खासकर राहुल गांधी भी इस बार दिल्ली में पार्टी को मजबूत देखना चाहते हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रेरित होकर कांग्रेस की दिल्ली प्रदेश ईकाई प्रदेश में 'दिल्ली न्याय यात्रा' निकाल रही है। यह माना जा रहा है कि अगर कांग्रेस मजबूती से दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ती है तो फिर मामला पूरी तरह से त्रिकोणीय हो जाएगा।

'शीशमहल' को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों अरविंद केजरीवाल की छवि पर लगातार चोट कर रहे हैं। ऐसे माहौल में यह तय माना जा रहा है कि 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में 70 में से 62 सीटें जीतने वाली आम आदमी पार्टी के लिए इस बार बहुमत तक पहुंचना काफी मुश्किल होने जा रहा है।

हम सबको दिल्ली में 2013 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों को जरूर ध्यान रखना चाहिए जब भाजपा को 32 (सहयोगी के साथ), आप को 28 और कांग्रेस को 8 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

नोएडा में होटल ह्यफेन में लगी आग, मची अफरा-तफरी; मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियां

परिवहन विशेष न्यूज

यूपी के नोएडा में होटल ह्यफेन में आग लग गई। होटल में आग लगते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद दमकल विभाग को आग की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम गाड़ियों को लेकर मौके पर पहुंचीं। फिलहाल टीम आग बुझाने का प्रयास कर रही है। आगे विस्तार से पढ़िए पूरी खबर।

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर 62 सी स्थित ह्यफेन होटल में आग लग गई। आग लगने से होटल में अफरा-तफरी मच गई। वहीं, आग लगने की सूचना पर अग्निशमन टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पा लिया।

बेसमेंट में लगी थी आग, टीम ने पाया काबू

अग्निशमन पुलिस के मुताबिक, होटल के बेसमेंट में आग लगी थी। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होना रहा है। होटल में धुआं भरा होने से कई शीशे तोड़ने पड़े।

वहीं, स्टाफ का कहना है कि बेसमेंट में बनी रसोई की चिमनी में चिंगारी निकली थी। इसके बाद आग लग गई।

होटल के अंदर छा गया था धुएं का गुब्बार

बेसमेंट में आग लगने के बाद होटल में धुएं का गुब्बार छा गया था। इससे लोगों को सांस लेने में भी दिक्कत हुई। हालांकि, इस हादसे में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। वहीं, आग बुझाने के लिए टीम को कई शीशे भी तोड़ने पड़े।

आग लगने के बाद होलट में मच गई थी भगदड़

बता दें कि होटल में आग सूचना मिलते ही लोगों में भगदड़ मच गई थी। इस दौरान हर कोई बाहर की ओर भागने लगा। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। समय रहते फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया।

आग की सूचना पर होटल कर्मचारियों के फूल गए थे हाथ-पैर

वहीं, होटल के बेसमेंट में आग की सूचना मिलते ही होटल कर्मचारियों के हाथ-पैर फूल गए थे। उन्होंने आनन-फानन में दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलने के तुरंत बाद ही टीम भी मौके पर पहुंच गई थी। टीम ने होटल के बेसमेंट में लगी आग को बुझाकर बड़ा हादसा होने से टाल दिया।

आग बुझने के बाद लोगों ने ली राहत की सांस

होटल के बेसमेंट में लगी आग बुझने के बाद ही लोगों ने राहत की सांस ली। आग लगने के बाद लोगों की आंखों के सामने धुआं ही धुआं छा गया था। इस दौरान वहां मौजूद लोग पूरी तरह घबरा गए थे, लेकिन फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा आग पर काबू पाने के बाद होटल के कर्मचारियों और अन्य लोगों ने राहत की सांस ली।

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर

ईवीएक्सपो ने शुरू किया 500 ऑटो में प्रचार-प्रसार का अभियान

परिवहन विशेष न्यूज

हर साल की तरह ईवीएक्सपो ने दिसंबर 2024 में होने वाली 21वीं प्रदर्शनी के लिए ऑटो रिक्शा अभियान के साथ अपना प्रचार शुरू कर दिया है, ताकि निर्माताओं के साथ-साथ आगंतुकों को एक ही छत के नीचे बी2बी और बी2सी बढ़ाने का मौका मिले। इसके तहत ईवीएक्सपो ऑटो रिक्शा पर पोस्टर लगाकर लोगों को दिसंबर 2024 में प्रगति मैदान में होने वाली प्रदर्शनी में आने का निमंत्रण दे रहा है। इस अभियान की पहली शुरुआत दिल्ली भर में 500 ऑटो में पोस्टर लगाकर की गई है।

इस प्रदर्शनी के लिए प्रदर्शित पोस्टर में आपको ईवीएक्सपो का आयोजन ऑल्टियस ऑटो सोल्यूशन्स, टाइटल पार्टनर : खालसा ईवी, को-पावर्ड पार्टनर : ऑलिव, एसोसिएट पार्टनर : सीवाई गोल्ड इंटरनेशनल के साथ ही एक्टिविटी पार्टनर : उड़ान, बैटरी और ड्राइवट्रेन पार्टनर : लिवगार्ड ड्राइवट्रेन, लैनयार्ड पार्टनर : टीएनआर, टू व्हीलर पार्टनर : मैक्सिम ईबाइक, लैनयार्ड पार्टनर : सफारी ई-रिक्शा, रजिस्ट्रेशन पार्टनर : रेज ग्लोबल ऊर्जा, लैनयार्ड पार्टनरः एक्स्ट्रा पावर के साथ एक्सएक्सएस टू पावर एक्सपी, लैनयार्ड पार्टनरः ईस्टमैन, लाइटिंग पार्टनरः केके लाइट्स, पायनियर पार्टनरः स्पीगो-मोरनी, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय निर्यात होमोलोगेशन पार्टनरः एटीएसआईपीएल, नॉलेज पार्टनर : राजुलेक्स, लास्ट माइल कनेक्टिविटी पार्टनर : सिटीलाइफ के अलावा आइकेट और ग्लोबल ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा समर्थित के रूप में दिखाई देंगे।

20, 21 और 22 दिसंबर को दिल्ली के प्रगति मैदान में आने के लिए तैयार हो जाइए।

अगले कुछ महीनों में लॉन्च को तैयार 5 बेहतरीन इलेक्ट्रिक SUVs, महिंद्रा से लेकर टाटा तक हैं शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय बाजार में कई वाहन निर्माताओं की ओर से Electric Cars को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। जिनको ग्राहक काफी पसंद भी कर रहे हैं। इसी को देखते हुए कई और निर्माताओं की ओर से पांच बेहतरीन Electric SUVs को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। अगले कुछ महीनों में किस कंपनी की ओर से किस इलेक्ट्रिक एसयूवी को लॉन्च किया जाएगा। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में ICE एसयूवी की मांग में काफी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। वहीं अब कंपनियां Electric SUVs को भी बड़े स्तर पर लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक अगले कुछ महीनों के दौरान किस कंपनी की ओर से कब तक किस इलेक्ट्रिक एसयूवी को लॉन्च किया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

महिंद्रा लाएगी दो इलेक्ट्रिक SUVs

महिंद्रा की ओर से नवंबर 2024 में ही दो इलेक्ट्रिक एसयूवी को भारतीय बाजार में लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के मुताबिक 26 नवंबर 2024 को कंपनी की ओर से दो नई ईवी को लॉन्च किया जाएगा। इनमें से एक Mahindra BE 6E और XEV 9e को लॉन्च किया जाएगा। दोनों ही एसयूवी में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाएगा।

मारुति ई विटारा होगी जनवरी में लॉन्च

भारत की प्रमुख वाहन निर्माता मारुति सुजुकी भी अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी की पहली Electric SUV को जनवरी 2025 में लॉन्च किया जा सकता है। कंपनी ने अभी इसके लॉन्च की आधिकारिक तारीख की जानकारी नहीं दी है लेकिन उम्मीद है कि इसे 17 January 2025 को भारत मोबिलिटी की शुरुआत के समय ही लॉन्च किया जाएगा। सुजुकी ने नवंबर में इटली के मिलान में इस गाड़ी के प्रोडक्शन वर्जन को पहली बार दिखाया है।

हयूंडई लाएगी इलेक्ट्रिक क्रेटा

साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Hyundai की ओर से मिड साइज एसयूवी के तौर पर Creta को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। कंपनी की ओर से इस एसयूवी के इलेक्ट्रिक वर्जन को भी लाने की तैयारी की जा रही है। उम्मीद की जा रही है कि इस Electric SUV को साल 2025 की पहली तिमाही में लाया जाएगा। इसमें भी कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाएगा।

टाटा भी लॉन्च करेगी इलेक्ट्रिक हैरियर एसयूवी

टाटा की ओर से भी मिड साइज एसयूवी सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली Tata Harrier के Electric वर्जन को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। कंपनी की ओर से इस गाड़ी को भी नए साल की पहली तिमाही में लाया जाएगा। फरवरी 2024 में हुई Bharat Mobility में इसे दिखाया जा चुका है। डिजाइन के मामले में यह ICE वर्जन से मिलती जुलती होगी और कई बेहतरीन फीचर्स के साथ इस Electric SUV को लॉन्च किया जाएगा।

अरुणाचल प्रदेश के रुक्सिन में निनॉन्ग एरिंग ने शुरू की ई-रिक्शा योजना

परिवहन विशेष न्यूज

अरुणाचल प्रदेश के रुक्सिन में पासीघाट पश्चिम के विधायक और राज्य सरकार के जलविद्युत सलाहकार निनॉन्ग एरिंग ने सोमवार, 18 नवंबर को रुक्सिन एडीसी किरण निंगो और सरकारी अधिकारियों के साथ एडीसी कार्यालय में योजना के पहले चरण के तहत आठ लाभार्थियों को ई-रिक्शा सौंपे।

यह योजना विधायक द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्र के बेरोजगार युवकों की परेशानियों को कम करने के प्रयासों का एक हिस्सा है।

एरिंग ने लाभार्थियों से आग्रह किया कि वे वाहनों का उपयोग दैनिक मजदूरी कमाने के लिए करें।

उन्होंने कहा, "यह क्षेत्र में ई-रिक्शा और अन्य यात्री वाहनों की मांग जानने के लिए एक परीक्षण पहल है। मैं आने वाले दिनों में उपखंड योजना के तहत सभी ग्रामीण क्षेत्रों को कवर करूंगा।"

विधायक ने इससे पहले आईएएस तथा अन्य राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की थी।

एरिंग ने कहा कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर पैदा करने के अलावा सड़क अवसंरचना, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं।

विधायक ने पंचायती राज संस्थाओं के नेताओं से आम लोगों के कल्याण के लिए काम करने तथा बेरोजगार युवाओं को उद्यमिता गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने का भी आग्रह किया।

कार्यक्रम में जेडपीएम बिमोल लेगो (ओयान), याकेन जेरांग (मिरेम), ओलिक तलोह (लेडुम), बेसिंग तातिन (रानी), ग्रामीण विकास जेई भूपेन्द्र सिंह समेत अन्य लोग शामिल हुए।

यूपी के सोनभद्र जिले में बिना ड्राइविंग लाइसेंस के नहीं चला सकेंगे ई-रिक्शा

परिवहन विशेष न्यूज

मनमाने तरीके से संचालित हो रहे ई-रिक्शा पर सोनभद्र प्रशासन नकेल कसने की तैयारी कर रहा है। अब बिना ड्राइविंग लाइसेंस और परिवहन विभाग में रजिस्ट्रेशन व फिटनेस सर्टिफिकेट के ई-रिक्शा चलाना संभव नहीं होगा। इस संबंध में यातायात माह के तहत परिवहन विभाग कार्यालय में विशेष कैंप लगाया जाएगा, जिसमें ई-रिक्शा चालकों को सभी जरूरी दस्तावेज पूरे करने के निर्देश दिए जाएंगे।

जिले में 1224 ई-रिक्शा और 71 ई-कार्ट पंजीकृत हैं। एआरटीओ प्रशासन धनवीर यादव के मुताबिक बिना रजिस्ट्रेशन और फिटनेस सर्टिफिकेट के ई-रिक्शा जब्त किए जा सकते हैं। ड्राइविंग लाइसेंस भी अनिवार्य कर दिया गया है। रजिस्ट्रेशन के लिए एआरटीओ कार्यालय से रजिस्ट्रेशन नंबर लेना होगा, जो वाहन पर दर्ज करने के लिए जरूरी है। रजिस्ट्रेशन के बाद हर तीन साल में फिटनेस सर्टिफिकेट भी लेना होगा।

मोटर वाहन निरीक्षक आलोक कुमार यादव ने बताया कि सरकार ने ई-रिक्शा व ई-कार्ट चालकों के लिए विशेष लाइसेंस व्यवस्था लागू की है। इससे सभी चालक योग्य व लाइसेंसधारी होंगे, जिससे यातायात व्यवस्था और अधिक सुरक्षित व व्यवस्थित होगी।

परिवहन कार्यालय में लाइसेंस, फिटनेस व रजिस्ट्रेशन के लिए वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, मान्यता प्राप्त पत्रकारों, सैनिकों व पूर्व सैनिकों के लिए अलग-अलग सुविधा काउंटर बनाए गए हैं। एआरटीओ धनवीर यादव ने बताया कि पहले इन कार्यों के लिए सभी को एक ही काउंटर पर लाइन में लगना पड़ता था। नई व्यवस्था से इन विशेष श्रेणियों को बिना लाइन में लगे अपना काम पूरा करने की सुविधा मिलेगी।

परिवहन आयुक्त चंद्र भूषण सिंह के निर्देश पर स्थापित इन काउंटरों से लोगों के काम कम समय में पूरे हो जाएंगे। अब बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाने व लंबे इंतजार की समस्या नहीं रहेगी। ई-रिक्शा संचालन को सुचारू बनाने व नागरिकों को बेहतर सुविधा देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है।

ग्रीव्स कॉटन की ईवी वित्तपोषण शाखा ने अगले पांच वर्षों में पांच लाख ईवी वित्तपोषित करने का लक्ष्य

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रीव्स कॉटन की ऋणदाता सहायक कंपनी ईवीफिन ने अगले पांच वर्षों में 500,000 वित्तपोषित इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का पोर्टफोलियो हासिल करने की योजना बनाई है, जो कि इसके वर्तमान आधार लगभग 12,000 इकाइयों से उल्लेखनीय वृद्धि है।

यह विस्तार भारत के स्वच्छ परिवहन समाधानों की ओर व्यापक प्रयास के अनुरूप है, जिसमें ईवीफिन का लक्ष्य 150-160 शहरों में उपस्थिति स्थापित करके ईवी दोपहिया वित्तपोषण बाजार के 80% तक की सेवा करना है, जो आज 42 शहरों में है।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन बाजार तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए यह समय अनुकूल प्रतीत होता है। वर्तमान में इलेक्ट्रिक वाहन सभी दोपहिया वाहनों की बिक्री का लगभग 8% हिस्सा हैं, यह आंकड़ा बुनियादी ढांचे और उपभोक्ता स्वीकृति में सुधार के साथ बढ़ने की उम्मीद है।

ग्रीव्स फाइनेंस के सीईओ पीबी सुनील कुमार के अनुसार ईवीफिन की रणनीति एक व्यापक सेवा पेशकश पर जोर देती है जो इसे बैंकों और पारंपरिक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) सहित प्रतिस्पर्धियों से अलग करती है। 2019 में अपनी शुरुआत के बाद से, ईवीफिन एक वित्तपोषण मंच से संक्रमण कर रहा है और एक ऐसा बाजार बना रहा है जिसमें बीमा, बिक्री के बाद की सेवाएं, चार्जिंग स्टेशनों तक पहुंच आदि शामिल होंगे।

ईवी स्वामित्व के बारे में उपभोक्ताओं की आशंकाओं को दूर करने के लिए ईवीफिन ने कई वित्तपोषण उत्पाद पेश किए, जिनमें स्मार्टफिन और राइटफिन शामिल हैं, जो पुनर्विक्रय मूल्य के बारे में चिंतित ग्राहकों के लिए बायबैक विकल्प प्रदान करते हैं, साथ ही अल्पकालिक, कम ब्याज वाले ऋणों के लिए ज़िपफिन और मानक वित्तपोषण विकल्प के रूप में इकोफिन भी शामिल हैं। कुमार ने कहा कि ये उत्पाद ग्राहकों के लिए लचीलापन और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करते हैं, जिसका उद्देश्य विश्वास का निर्माण करना और ईवी को अपनाना है।

ईवीफिन का सुव्यवस्थित डिजिटल फाइनेंसिंग मॉडल इसकी विकास योजना का केंद्र है। यह प्लेटफॉर्म 2.5 मिनट में ही लोन स्वीकृत करने में सक्षम बनाता है, जिसके बाद 4-5 घंटे के भीतर लोन का वितरण हो जाता है। कुमार ने ग्राहकों को आकर्षित करने में गति की भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, ₹तेजी से बदलाव महत्वपूर्ण है।₹ 2023 में रीब्रांडेड, ईवीफिन ने 100 करोड़ रुपये से अधिक के लोन वितरित किए हैं और वर्तमान में 150 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का प्रबंधन करता है। प्लेटफॉर्म की वृद्धि को अग्रणी ईवी निर्माताओं के साथ साझेदारी से भी समर्थन प्राप्त है, जिसमें एथर एनर्जी, ग्रीव्स की अपनी एम्पीयर, हीरो मोटोकॉर्प की विडा, ओला इलेक्ट्रिक, बजाज चेतक, रिवर मोबिलिटी और टीवीएस आईक्यूब शामिल हैं, जो भारत के ईवी दोपहिया बाजार के लगभग 90% हिस्से को कवर करते हैं।

ईवीफिन 5% से कम की ₹बाउंस दर₹ (या भुगतान छूट दर) बनाए रखता है, जो उद्योग के औसत 15% से काफी कम है, जिससे सतर्क निवेशकों के लिए इसका आकर्षण बढ़ जाता है। इसके अतिरिक्त, ईवीफिन की उधार दर, लगभग 16.7% की आंतरिक दर (आईआरआर) के साथ, उद्योग के औसत 19-21% से कम है - एक ऐसा कारक जो क्रेडिट गुणवत्ता का त्याग किए बिना मूल्य-संवेदनशील ग्राहकों को आकर्षित करने में मदद करता है।

अपनी विकास रणनीति के हिस्से के रूप में ईवीफिन ईवी क्षेत्र के लिए वित्तपोषण केंद्र के रूप में कार्य करने के लिए अपनी वित्तीय साझेदारी को बढ़ा रहा है। अन्य एनबीएफसी और बैंकों के साथ सहयोग के माध्यम से, प्लेटफ़ॉर्म ग्राहकों की सहमति के आधार पर विविध वित्तपोषण विकल्पों की अनुमति देता है। यह मॉडल ईवी वित्तपोषण की उपलब्धता को बढ़ा सकता है, वित्तपोषण को और अधिक सुलभ बनाकर भारत के ईवी अपनाने के प्रयासों में योगदान दे सकता है।

उत्पाद नवाचार, रणनीतिक साझेदारी और ग्राहक-केंद्रितता पर ध्यान केंद्रित करके चिह्नित, इसे भारत के उभरते ईवी वित्तपोषण परिदृश्य में एक मजबूत भूमिका निभाने के लिए तैयार कर रही है। हालाँकि, रास्ता आसान नहीं हो सकता है और चुनौतियों से भरा हो सकता है; हालाँकि अवसर का आकार आगे बढ़ने के लिए बहुत बड़ा लगता है।

मैजेंटा मोबिलिटी ने उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन परिचालन का विस्तार किया

परिवहन विशेष न्यूज

एकीकृत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधान प्रदाता मैजेंटा मोबिलिटी, जो पहले से ही नोएडा में परिचालन कर रही है, ने उत्तर प्रदेश के चार अतिरिक्त शहरों - लखनऊ, आगरा, कानपुर और वाराणसी में अपनी सेवाओं का विस्तार किया है। यह विस्तार भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव को गति देने और खुद को संधारणीय परिवहन परिदृश्य में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने के कंपनी के उद्देश्य का हिस्सा है।

इस वृद्धि को सुविधाजनक बनाने के लिए मैजेंटा ने राज्य में एक मजबूत ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने की योजना बनाई है, जिसमें एसी और डीसी चार्जिंग हब शामिल हैं। प्रमुख चार्जिंग पॉइंट ऑपरेटरों के साथ सहयोग और जियो-बीपी के साथ साझेदारी एक विश्वसनीय और तेज़ चार्जिंग नेटवर्क सुनिश्चित करेगी। इन पहलों का उद्देश्य 2025 तक उत्तर प्रदेश में 2,500 से अधिक ईवी तैनात करने के कंपनी के लक्ष्य का समर्थन करना है, जो अंतिम-मील डिलीवरी सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करेगा।

मैजेंटा मोबिलिटी के संस्थापक और सीईओ मैक्ससन लुईस ने कहा, ₹इलेक्ट्रिक वाहन तैनाती के लिए राज्य प्रोत्साहन, साथ ही कुशल श्रमिकों तक पहुंच और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भूमि, हमारे विस्तार के लिए एक ठोस आधार बनाते हैं।₹ उन्होंने कहा कि एक स्पष्ट रोडमैप के साथ, कंपनी पूरे क्षेत्र में प्रमुख बाजारों में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित करने पर केंद्रित है, जो टिकाऊ गतिशीलता समाधानों को अपनाने में तेजी लाने में सहायक होगा।

फ्लिपकार्ट, अमेज़ॅन, पोर्टर, डेल्हीवरी और कुएने+नेगल जैसी कंपनियों के साथ मैजेंटा की साझेदारी इसकी रणनीति का अभिन्न अंग है। इन सहयोगों का उद्देश्य कंपनी के ईवी बेड़े को मौजूदा लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में एकीकृत करना, डिलीवरी दक्षता में सुधार करना और साथ ही टिकाऊ गतिशीलता समाधानों को अपनाने को बढ़ावा देना है।

पर्यावरणीय लाभों के अलावा इस विस्तार से स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण रोजगार सृजन होने की उम्मीद है। मैजेंटा परिचालन दक्षता सुनिश्चित करने और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 1,200 से अधिक डिलीवरी भागीदारों को नियुक्त करने की योजना बना रहा है।

ईवी तैनाती के लिए उत्तर प्रदेश के प्रोत्साहन, साथ ही बुनियादी ढांचे का समर्थन, कंपनी के उद्देश्यों के साथ अच्छी तरह से संरेखित है। मैजेंटा की पहल का उद्देश्य क्षेत्र के हरित, अधिक टिकाऊ परिवहन में बदलाव का समर्थन करना है।

युवाओं को सशक्त बनाना: भारत की नई इंटर्नशिप योजना गेम चेंजर क्यों है?

विजय गर्ग

भारत का नौकरी बाजार तेजी से आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति के कारण एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। पांच वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई पीएम इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) का उद्देश्य 21-24 वर्ष की आयु के उन लोगों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करके व्यापक कौशल अंतर को पाटना है जो न तो नियोजित हैं और न ही पूर्णकालिक शिक्षा में हैं। 56 प्रतिशत से अधिक नियोक्ताओं को अगली छमाही में कार्यबल विस्तार की उम्मीद है, यह पहल सही समय पर आई है। यह अधिक तैयार, नौकरी के लिए तैयार कार्यबल बनाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है, जो नवाचार और दीर्घकालिक रोजगार वृद्धि दोनों को बढ़ावा देता है। वास्तविक दुनिया का अनुभवः नौकरी के लिए तैयार उम्मीदवारों को आकार देना शैक्षणिक योग्यता और नौकरी की तैयारी के बीच बढ़ता अंतर वर्षों से भारत के श्रम बाजार में एक प्रमुख चुनौती रही है। कई स्नातकों के पास सैद्धांतिक ज्ञान तो है लेकिन आज के तेज़ गति वाले उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण व्यावहारिक कौशल का अभाव है। नई इंटर्नशिप योजना का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक दुनिया के कार्य वातावरण में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करके इस अंतर को पाटना है। यह दृष्टिकोण उन्हें उद्योग की मांगों को पूरा करने के लिए कौशल से लैस करेगा, जिससे अधिक सक्षम और अनुकूलनीय कार्यबल तैयार होगा। केवल तकनीकी कौशल से परे, इंटर्नशिप छात्रों को समय सीमा का प्रबंधन करना, टीमों के साथ सहयोग करना और कॉर्पोरेट संस्कृति को नेविगेट करना सिखाती है। उदाहरण के लिए, ई-कॉमर्स में एक पूर्ण-स्टैक डेवलपर को न केवल कोडिंग विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है, बल्कि टीम वर्क, समय प्रबंधन और ग्राहक समझ की भी आवश्यकता होती है। इंटर्नशिप उस व्यावहारिक अनुभव को प्राप्त करने के लिए प्रारंभिक चरण हैं। हाल ही में टीमलीज़ एडटेक सर्वेक्षण के अनुसार, 72 प्रतिशत नियोक्ताओं ने 2024 में फ्रेशर्स को नियुक्त करने की योजना बनाई है, जिसमें ई-कॉमर्स, इंजीनियरिंग और रिटेल जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक मांग है। इन क्षेत्रों में इंटर्नशिप से छात्रों की रोजगार क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वे पहले दिन से ही नौकरी के लिए तैयार हैं। अन्वेषक संवारनाः समस्या-समाधानकर्ताओं की एक नई पीढ़ी तैयार करना इंटर्नशिप योजना के सबसे शक्तिशाली पहलुओं में से एक युवा पेशेवरों के बीच नवाचार को प्रोत्साहित करने की क्षमता है। तेजी से बदलते नौकरी बाजार में, आलोचनात्मक और रचनात्मक रूप से सोचने की क्षमता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह कार्यक्रम प्रशिक्षुओं को गतिशील कार्य वातावरण में रखता है जहां उन्हें पहल करने, समस्याओं को हल करने और लीक से हटकर सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है - प्रमुख गुण जो नियोक्ता आज के प्रतिस्पर्धी बाजार में तलाश रहे हैं। प्रशिक्षु अक्सर ऐसी ज़िम्मेदारियाँ लेते हैं जिनके लिए उन्हें निर्णय लेने, छोटी परियोजनाओं का नेतृत्व करने और अनुभवी पेशेवरों के साथ सहयोग करने की आवश्यकता होती है। यह अनुभव उनका आत्मविश्वास बढ़ाता है और उन्हें नए दृष्टिकोण के साथ चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रोत्साहित करता है। वरिष्ठ पेशेवरों से मार्गदर्शन के साथ, प्रशिक्षु नेतृत्व गुणों में भी अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं। नतीजतन,

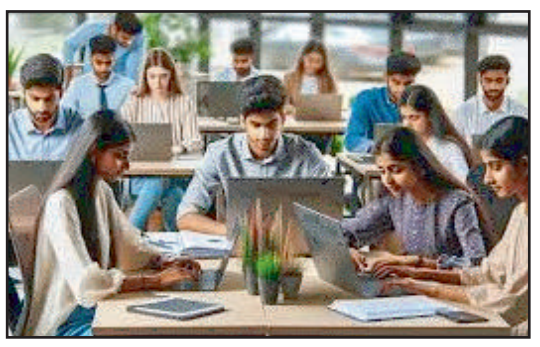

कार्यक्रम न केवल वर्तमान नौकरियों के लिए प्रशिक्षुओं को तैयार करता है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की वृद्धि को आगे बढ़ाने में सक्षम समस्या-समाधानकर्ताओं की एक पीढ़ी का पोषण भी करता है। रोजगार के लिए निर्बाध परिवर्तन आजकल नियोक्ता ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता देते हैं जिनके पास न केवल शैक्षणिक योग्यता है बल्कि व्यावहारिक अनुभव भी है। इंटर्नशिप छात्रों को उद्योग मानकों और अपेक्षाओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करके इस अंतर को पाटती है। यह अनुभव प्रशिक्षुओं को नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देता है, जिससे अक्सर पूर्णकालिक रोजगार मिलता है। इसके अलावा, नियोक्ता अक्सर इंटर्नशिप को भविष्य में नियुक्तियों के लिए एक पाइपलाइन के रूप में देखते हैं, क्योंकि अच्छा प्रदर्शन करने वाले इंटर्न को अक्सर स्थायी पदों की पेशकश की जाती है। यह कम हो जाता हैव्यवसायों के लिए भर्ती का समय और लागत। यह इंटर्नशिप को एक जीत की स्थिति बनाता है, कंपनियों को पूर्व-प्रशिक्षित प्रतिभा और छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव प्रदान करता है। छात्रों के लिए, इंटर्नशिप केवल उद्योग ज्ञान प्राप्त करने के बारे में नहीं है; वे संचार, टीम वर्क और समस्या-समाधान जैसे सॉफ्ट कौशल विकसित करने के लिए आवश्यक हैं। औपचारिक शिक्षा में अक्सर नजरअंदाज किए जाने वाले ये कौशल आज के तेजी से बढ़ते नौकरी बाजार में महत्वपूर्ण हैं। जैसे-जैसे भारत का रोजगार परिदृश्य विकसित हो रहा है, सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल के संयोजन वाले उम्मीदवारों की आवश्यकता केवल बढ़ेगी। आगे का रास्ता नई इंटर्नशिप योजना सिर्फ एक शैक्षणिक पहल नहीं है; यह एक व्यापक रणनीति है जिसका उद्देश्य भारत के नौकरी बाजार को बदलना है। वास्तविक दुनिया के अनुभव पर जोर देकर, नवाचार को बढ़ावा देकर और पूर्णकालिक रोजगार के लिए एक निर्बाध पुल बनाकर, कार्यक्रम उन कई चुनौतियों का समाधान करता है जो परंपरागत रूप से भारत के युवाओं की रोजगार क्षमता में बाधा उत्पन्न करती हैं। जैसे-जैसे अधिक छात्र व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे और आज के नियोक्ताओं द्वारा आवश्यक कौशल विकसित करेंगे, भारत का कार्यबल अधिक प्रतिस्पर्धी, अनुकूलनीय और अभिनव बन जाएगा। इससे न केवल व्यक्तिगत छात्रों को बल्कि नियोक्ताओं को भी लाभ होगा, जो अगले तीन वर्षों में भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के दृष्टिकोण में योगदान देगा।

भारत में प्राकृतिक खेती, अंकुरण हो रहा है लेकिन अभी भी इसी की गहरी जड़ें विकसित हो रही हैं

भारत में प्राकृतिक खेती, गति पकड़ते हुए, अभी भी अपनाने के प्रारंभिक चरण में है। यह रसायन-प्रधान कृषि से टिकाऊ, पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों की ओर बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। प्राकृतिक खेती के तरीके, जैसे कि सुभाष पालेकर की शून्य बजट प्राकृतिक खेती (जेडबीएनएफ) द्वारा समर्थित, सिंथेटिक उर्वरकों या कीटनाशकों के बिना फसल उगाने के लिए गाय के गोबर, मूत्र और स्वदेशी बीजों जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

प्राकृतिक खेती में प्रगति

1. सरकारी समर्थनः परम्परागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) के तहत भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (बीपीकेपी) जैसी पहल का उद्देश्य राज्यों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है। आंध्र प्रदेश, गुजरात और हिमाचल प्रदेश जैसे कुछ राज्य प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को बढ़ाने के प्रयासों में अग्रणी हैं।

2. जमीनी स्तर पर आंदोलनः संगठन और व्यक्तिगत किसान जागरूकता बढ़ा रहे हैं, सफलता की कहानियां साझा कर रहे हैं और इन टिकाऊ तकनीकों में दूसरों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। इससे विशेषकर सूखा-प्रवण और संसाधन-कमी वाले क्षेत्रों में बदलाव की लहर पैदा होने लगी है।

3. पर्यावरणीय लाभः प्राकृतिक खेती के तरीके मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं, पानी का संरक्षण करते हैं और जैव विविधता में सुधार करते हैं, जो वैश्विक स्थिरता लक्ष्यों और जलवायु लचीलेपन के अनुरूप है।

चुनौतियां

1. ज्ञान का अंतरः कई किसानों के पास प्राकृतिक कृषि पद्धतियों के उचित प्रशिक्षण और वैज्ञानिक सत्यापन तक पहुंच का अभाव है।

2. प्रारंभिक संक्रमण बाधाएँः संक्रमण के शुरुआती वर्षों के दौरान किसानों को अक्सर कम पैदावार का सामना करना पड़ता है, जो व्यापक रूप से अपनाने को हतोत्साहित कर सकता है।

3. बाजार तक पहुंचः हालांकि रसायन-मुक्त उत्पादों की उपभोक्ता मांग बढ़ रही है, लेकिन विश्वसनीय बाजार संपर्क और प्रीमियम मूल्य निर्धारण अभी भी सीमित हैं।

4. नीति और पैमानाः जबकि सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देती है, इन प्रथाओं को स्केल करने के लिए एक व्यापक नीति ढांचा और प्रोत्साहन अभी भी विकसित हो रहे हैं।

आगे का रास्ता

भारत में प्राकृतिक खेती को गहरी जड़ें जमाने के लिए, यह आवश्यक हैः

किसानों के लिए उन्नत प्रशिक्षण और विस्तार सेवाएँ।

जैविक और प्राकृतिक उपज के लिए मजबूत बाजार पारिस्थितिकी तंत्र और प्रमाणन प्रणाली।

प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को मान्य और अनुकूलित करने के लिए अनुसंधान में निरंतर निवेश।

जागरूकता पैदा करने और दीर्घकालिक लाभ प्रदर्शित करने के लिए समुदाय-संचालित प्रयास।

प्राकृतिक खेती में भारत में कृषि में क्रांति लाने की क्षमता है, लेकिन अपने वादे को पूरी तरह से साकार करने के लिए सामूहिक प्रयासों और निरंतर समर्थन की आवश्यकता है।

हर पल अनमोल

विजय गर्ग

समय को लेकर हमारा दृष्टिकोण हमेशा से गहरा और महत्त्वपूर्ण रहा है। 'गया समय कभी वापस नहीं आता, ' एक ऐसा तथ्य है, जिसे हम सब स्वीकार करते हैं, फिर भी अक्सर हम इसे नजरअंदाज करते हैं। समय की महत्ता को समझने के लिए हमें यह जानना जरूरी है कि हमारे जीवन में समय की कमी केवल एक वस्तुगत समस्या नहीं है, बल्कि यह हमारे सोचने और जीने के तरीके को भी प्रभावित करती है । भारतीय संस्कृति में समय को 'काल' के रूप में दर्शाया गया है। गीता में कृष्ण ने कहा हैः 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन', यानी आपका अधिकार केवल कर्म करने में है, फल की चिंता करने में नहीं। इसके माध्यम से यह समझा जा सकता है कि हमें अपने कार्यों पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि समय के बीत जाने के साथ ही हम अपने जीवन जीने के उद्देश्यों को भी खो देते हैं। समय का सही उपयोग करना हमें आत्मनिर्भर और सफल बनाता है।

जब हम अपने कार्यों को टालते हैं या समय की अनदेखी करते हैं, तब हम वास्तव में अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे होते हैं। समय कभी लौटकर नहीं आता और इसका मोल भी केवल तभी समझ में आता है, जब हम इसे खो देते हैं। प्रसिद्ध लेखक पाब्लो पिकासो ने कहा था, 'अगर कोई चीज समय के साथ नहीं बदलती, तो वह समय के साथ खत्म हो जाती है।' समय का सदुपयोग ही हमें उस स्थिति से बाहर निकाल सकता है, जहां हम अपनी क्षमताओं का सही इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। इस दौड़ में हर व्यक्ति एक प्रतिभागी है। जीवन के हर क्षेत्र में सफलता पाने के लिए समय-प्रबंधन आवश्यक है। हम सभी के पास चौबीस घंटे होते हैं, पर क्या हम इस समय का सही उपयोग कर पा रहे हैं? यह उक्ति आमतौर पर लोग दोहराते मिल जाते हैं कि जो बीत गया, वह फिर नहीं आएगा। यह एक ऐसा विचार है जो हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम अपने जीवन के इस अमूल्य समय को सही दिशा में उपयोग कर रहे हैं या नहीं।

समय का सही उपयोग करते हुए हम अवसरों को पहचान सकते हैं। जीवन में अनेक बार ऐसे मौके आते हैं, जब हम समय को प्राथमिकता नहीं देते। इस कारण से हम अवसरों को खो देते हैं। काल का दुरुपयोग न करें जैसे संदेश हमें बहुत सारे लोगों ने दिया होगा। सच भी यह है कि समय की साधना करने से हम अपने लक्ष्य के करीब पहुंच सकते हैं। इसे प्राथमिकता बनाए बगैर हम अपने सपनों को साकार करने के बारे में सोच भी नहीं सकते ।

वक्त बीतने के साथ-साथ कई ऐसी यादें भी होती हैं जिन्हें हम भुला नहीं सकते। जब हम किसी प्रिय व्यक्ति को खो देते हैं, तब यह अहसास होता है कि समय का मूल्य कितना बड़ा है। यादों का यह सफर कभी खत्म नहीं होता। इसलिए हमें अपने प्रियजनों के साथ बिताए गए वक्त की कद्र करनी चाहिए। इस तथ्य से शायद ही कोई अनजान होगा कि जो पल बीत गए, वे कभी वापस नहीं आते। हमें हर लम्हे को जीने की कला सीखनी होगी।

एक मुश्किल यह भी है कि वक्त का खयाल रखते हुए क्या हमें हमेशा इस हद तक फिक्रमंद हो जाना चाहिए कि नकारात्मकता के करीब चले जाएं! इसका असर दीर्घकालिक स्तर पर नकारात्मक ही होगा। इसलिए समय का सदुपयोग करते हुए सकारात्मक सोच बनाए रखनी चाहिए । जब हम अपने विचारों में सकारात्मकता लाते हैं, तब हम अपने समय का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। इस मसले पर हम अपने महापुरुषों के विचार भी सुनें - जानें तो यही पता चलता है कि हमें अपने लक्ष्यों की ओर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और समय को अपने पक्ष में करना चाहिए । सकारात्मकता हमें कठिनाइयों से लड़ने की ताकत देती है। समय प्रबंधन की कला हमें सिखाती है कि कैसे हम अपने कार्यों को प्राथमिकता दें। अपने कार्यों को योजना बनाकर पूरा करना हमें समय की बर्बादी से बचा सकता है। अपने जीवन के लक्ष्यों को स्पष्ट करके उन्हें समय के अनुसार विभाजित करना चाहिए। दैनिक कार्यों की एक सूची बनाकर उसे पूरा करने का प्रयास किया जा सकता है। हर कार्य के लिए एक समय सीमा तय कर लेना चाहिए, ताकि समय का सही प्रबंधन कर किया जा सके। लंबे समय तक काम करते रहने से मानसिक थकान होती है। इसलिए छोटे-छोटे विराम लेना चाहिए।

समाज में समय की अनदेखी करने के बजाय इसका सदुपयोग करने पर भी ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। जब हम समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हैं, तब हम समय का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। हमें चाहिए कि हम अपने सामर्थ्य का उपयोग समाज के उत्थान में करें। कहा गया है कि समाज में जो कुछ भी किया जाता है, वह समय की समझदारी से ही संभव होता है। समय का महत्त्व अनंत है। 'बीता समय कभी वापस नहीं आता' जैसी उक्ति का अर्थ यही है कि हमें हर लम्हे को जीने और उसका सही इस्तेमाल करने का प्रयास करना चाहिए। हमें चाहिए कि हम समय की कद्र करें, क्योंकि यह हमारे जीवन का सबसे मूल्यवान धन है। समय का सही उपयोग किसी को भी आत्मनिर्भर बनाता है, सफलता की ओर ले जाता है और सपनों को साकार करने में मदद करता है ।

समय को बर्बाद करने वालों को इसकी मार झेलनी पड़ती है, इसलिए इसे अपनी यात्रा का साथी बना लेना चाहिए। जीवन का हर पल मूल्यवान है। इसका सही प्रबंधन करने की जरूरत है, ताकि एक सफल और सुखद जीवन की ओर बढ़ा जा सके ।

सेवानिवृत्त व्यक्ति और विटामिन डी का संबंध

सेवानिवृत्ति हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा है। सेवानिवृत्ति एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है तथा एक नए जीवन की शुरुआत है। कम शब्दों में कहें तो उत्साह एवं कर्मण्यता का पुनर्जन्म है सेवानिवृत्ति। यह ऐसा अवसर होता है जिसमें खुशी और गम दोनों का समावेश होता है। अपने 40 वर्ष के लंबे सेवाकाल के उपरांत मैं लगभग तीन माह पहले ही सेवानिवृत्त हुआ हूं, लेकिन इस अल्पकाल में ही मुझे इस कालखंड के अनुभव का अनोखा ज्ञान प्राप्त हो गया है। मेरे साथी, जो मुझसे कुछ समय पहले रिटायर हुए थे, उनकी दिनचर्या ने मेरे ज्ञान में और बढ़ोतरी की है। मैं अपना अनुभव पाठकों से सांझा करना चाहूंगा ताकि इस विषय पर वे भी अपना मत रखें। सेवानिवृत्ति के बाद जीवन में कुछ बदलाव आते हैं जो निम्नानुसार संकलित हैं : 1. अपने कार्यकाल में सरकारी गाड़ी या अपनी लंबी-सी गाड़ी, जिसमें तेल डलवाने के पैसे सरकार देती है, का ताउम्र उपयोग करने वाला अधिकारी सेवानिवृत्त होते ही स्कूटी खरीदता है जिसकी माइलेज कम से कम 50 किलोमीटर प्रति लीटर होनी चाहिए। हो सकता है अगले दो साल के अंदर वह साइकिल खरीद ले, ताकि परिवहन खर्च जीरो पर आ जाए। 2. विवाह, शादी या किसी अन्य समारोह में जहां वह 1100 रुपए का शगुन देता था, अब उसके शगुन के लिफाफे में 101 रुपए से ज्यादा नहीं होते। जो लिफाफा पहले कभी उसकी कमीज की ऊपर वाली जेब में सुशोभित हुआ करता था, वह पैंट की पिछली जेब में पहुंच जाता है। 3. जिस मोबाइल फोन की घंटी कभी सुबह से शाम तक बजती थी, सेवानिवृत्ति के बाद वह प्रायः मृत अवस्था में पड़ा दीखता है।

व्यक्ति कभी उसकी बैटरी निकाल कर देखता है या कभी अपनी हथेली पर मार कर चैक करता है कि कहीं कोई खराबी तो नहीं आ गई। लेकिन यह समझने में उसे कुछ समय लगता है कि वह रिटायर हो चुका है तथा कम से कम कार्यालय से आने वाली फोन कॉल रिटायरमेंट के अगले दिन से ही बंद हो चुकी है। 4. पहले जहां अधिकतर फोन कॉल ऑफिस के कार्य हेतु वरिष्ठ या कनिष्ठ अधिकारियों के आते थे, उनकी जगह अब बैंकों या वित्तीय कंपनियों के एजैंट रिटायर्ड व्यक्ति को उसकी भविष्य निधि की जमा पूंजी अपने-अपने संस्थानों में निवेश करने हेतु प्रेरित करते हुए फोन करते नहीं थकते। 5. यदि बीवी नौकरी में है, तो वह सुबह जाते हुए बहुत से काम दे कर जाएगी, जैसे कौनसी सब्जी लानी है तथा यदि पका नहीं सकते, तो कम से कम काट कर रखना है। दूध जरूर उबालना है, नहीं तो फट जाएगा। धुले कपड़ों को धूप में सलीके से आगे-पीछे करते रहना, ताकि ढंग से सूख जाएं। यदि हो सके तो दर्जी से मेरा सूट ले आना और सारा दिन धूप में बालकनी में नहीं बैठे रहना। 6. यदा-कदा घर की मेड (गृह-सहायिका) जब छुट्टी पर होती है, तब छोटे-मोटे कार्य स्वयं निपटाने पड़ते हैं और इन्हीं कार्यों को करते हुए यह पता चलता है कि झाड़ू लगाते समय आगे की ओर बढना है और पोंछा लगाते हुए पीछे को चलना है। यही जीवन का सत्य है। 7. जैसे कोरोना काल में हुआ था, पैंट का स्थान पायजामा ले लेता है क्योंकि पैंट पहन कर जाना कहां है, यह यक्ष प्रश्न रिटायर्ड व्यक्ति के सम्मुख खड़ा हो जाता है। वही पायजामा जिसे पहनना कभी हीनता की भावना से देखा जाता था, अब अलमारी में पड़ी पैंट को चिढ़ा रहा होता है। यही काल चक्र है। जिंदगी में प्राथमिकताएं बदलती रहती हैं। निःसंदेह सेवानिवृत्ति के बहुत से फायदे भी हैं, बशर्ते आप को अच्छी पेंशन मिलती हो या आपने अपनी भविष्य निधि का समझदारी से निवेश किया हो। मेरी समझ के अनुसार निम्नलिखित बातें रिटायर्ड व्यक्ति के पक्ष में जाती हैं : 1. उस व्यक्ति को आप क्या कहेंगे जो सोमवार को सबसे ज्यादा खुश होता है, तो उत्तर होगा रिटायर्ड व्यक्ति को सुबह जल्दी उठने की टैंशन नहीं होती। 2. इसी तरह न कार्यालय में देरी से पहुंचने की परेशानी। न बायोमेट्रिक्स पंच की चिंता और न ही बॉस की डांट का डर।

जिस व्यक्ति को सर्विस के दौरान अपनी शादी हेतु तीन दिन की छुट्टी के लिए गिड़गिड़ाना पड़ा हो, वह अब किसी की शादी, सगाई, धाम, व्रत उद्यापन या मुंडन संस्कार में भी बेझिझक शामिल हो सकता है। 3. जब तक हम सर्विस में होते हैं तो इनसान के पास सब कुछ होता है जैसे सरकारी मकान, गाड़ी, सुख-सुविधाएं, सैलरी तथा रुतबा। बस समय नहीं होता। और रिटायरमेंट के बाद सिवाय समय के और कुछ नहीं होता। इसलिए समय के सदुपयोग का यह सुअवसर एक लंबे काल खंड उपरांत मिलता है। 4. सेवानिवृत्ति का सबसे बड़ा फायदा यह है कि सेवानिवृत्त व्यक्ति का विटामिन 'डी' कभी कम नहीं हो सकता, क्योंकि सूर्य के पूर्व में उदय होने से लेकर पश्चिम में अस्त होने तक की धूप का आनंद केवल रिटायर्ड इनसान ही लेता है। इसलिए जीवन के इस महत्वपूर्ण समय का आनंद लीजिए।

अपनी दिनचर्या अपने हिसाब से तय करें, क्योंकि अपनी जिंदगी के बॉस अब आप स्वयं हैं। उम्र के हिसाब से आचरण करते हुए अब भी लक्ष्य निर्धारित किए जा सकते हैं। हां, भावनाओं पर नियंत्रण आवश्यक है। इतना जरूर याद रखना होगा कि अब हम वरिष्ठ नागरिकों की श्रेणी में हैं। फिर भी 'इश्क होने लगे तो पूजा-पाठ कर लिया करो दोस्तो, मोहब्बत होगी तो मिल जाएगी, बला होगी तो टल जाएगी।' मेरे जो साथी रिटायरमेंट के बाद भी उपरोक्त परिवर्तनों से परे हैं या जिन पर यह लेख लागू नहीं होता, वे बधाई के पात्र हैं।

ट्रम्प की वापसी अमेरिकी प्रणाली की सफलता

इसमें कोई संदेह नहीं है कि ट्रम्प की जीत निर्णायक है। उनको श्रेय मिलना चाहिए, लेकिन अमेरिकी मतदाता ने लोकतंत्र के लिए उनके खतरे को कैसे नजरअंदाज कर दिया? सच्चाई यह है कि ज्यादातर अमेरिकियों ने कभी नहीं माना कि ट्रम्प लोकतंत्र के लिए खतरा थे। वे दो कारण बताते हैं वे ट्रम्प को इस तरह से चित्रित करने के सभी प्रयासों को राजनीतिक रूप में देखते हैं, और उन्हें देश की संवैधानिक जांच और संतुलन व्यवस्था पर भरोसा है। ट्रम्प के पुनरुत्थान और जीत से पता चलता है कि अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था मजबूत है

चार साल पहले, डोनाल्ड ट्रम्प को राजनीतिक रूप से मृत समझा गया था। उन पर दो बार महाभियोग लगाया गया, राज विद्रोह के उच्च अपराध के लिए दोषी ठहराया गया, कई अपराधों के लिए अदालतों में मुकदमा चलाया गया, मीडिया द्वारा उपहास किया गया, और उनका पुनः चुनाव जीतने का प्रयास विफल हो गया। हाल के राष्ट्रपति चुनाव में उनके आश्चर्यजनक पुनरुत्थान ने इसलिए कई राजनीतिक पंडितों और सर्वेक्षण कर्ताओं को चौंका दिया है। ट्रम्प के विरोधी लंबे समय से कहते रहे हैं कि वह अमेरिकी लोकतंत्र के लिए खतरा हैं और उन्हें राष्ट्रपति पद के आसपास भी नहीं जाने दिया जाना चाहिए। वे उनके निरंकुश व्यवहार, सार्वजनिक प्रवचन में अभद्रता और गैरकानूनी कार्यों की ओर इशारा करते हैं। उन्हें यह भी डर है कि अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ट्रम्प की जेब में है।इन शं

काओं के चलते प्रश्न यह है कि अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था ने ट्रम्प को फिर से जीतने कैसे दिया? इसका जवाब वहां के राष्ट्रपति चुनाव के तंत्र में निहित है, मुख्यतः उनकी 'खुली पार्टी' प्रणाली, प्राथमिक चुनाव व्यवस्था, और इलेक्टोरल कॉलेज।

अमेरिका की 'खुली पार्टी' प्रणाली ने ट्रम्प को उनकी 2020 की हार के बावजूद विभिन्न राज्य और स्थानीय चुनावों में उम्मीदवारों को चुनकर और समर्थन करके प्रासंगिक बने रहने की अनुमति दी। यदि अमेरिकी राजनीतिक दलों को पोलित ब्यूरो या पार्टी के आकाओं द्वारा चलाया जाता, तो ट्रम्प को गुमनामी में भेज दिया जाता। परंतु पार्टियों की खुली व्यवस्था होने के कारण वह अपने एजेंडे को अपने उम्मीदवारों के माध्यम से आगे बढ़ाने में सक्षम रहे। ट्रम्प के कई उम्मीदवार बिल्कुल नए चेहरे थे, जैसे एरिजोना में ब्लेक मास्टर्स, जॉर्जिया में हर्शल वॉकर और पेंसिल्वेनिया में मेहमेट ओज। यदि अमेरिका में 'बंद पार्टी' प्रणाली होती, जैसी भारत में है, जहां पार्टी के आका तय करते हैं कि पार्टी लेबल किसे मिलेगा, ट्रम्प पार्टी में उच्च पद के बिना उम्मीदवारों को नहीं चुन पाते।

ट्रम्प समर्थित उम्मीदवारों को अमेरिकी प्राथमिक चुनावों की प्रणाली ने उनके 'मैगा' एजेंडे को टेस्ट करने की अनुमति दी। वर्ष 2022 आते, ट्रम्प का 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' नारा लोकलुभावन नीतियों का पर्याय बन गया, जैसे कि सीमा नियंत्रण, कर कटौती, टैरिफ और एंटी-वोक (अत्यंत उदार) सामाजिक नीतियां। ट्रम्प के कुछ निजी मुद्दे, जैसे कि 2020 की चुनावी हार से इनकार, अलोकप्रिय साबित हुए और सुर्खियों से हटते गए। उदाहरण के लिए, एरिजोना में एक ट्रम्प समर्थित उम्मीदवार, कैरी लेक, जिन्होंने चुनावी हार से इनकार को भुनाने की कोशिश की, अपने गवर्नर और फिर सीनेट दोनों चुनावों में हार गयीं।

इस सब ने ट्रम्प को राष्ट्रपति के प्राथमिक चुनावों में एक ऐसे 'मैगा' प्लेटफार्म को सामने रखने की अनुमति दी जो पहले से भी अधिक लोकप्रिय था। वह अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करने वाले पहले रिपब्लिकन थे, हालांकि फिर भी उन्होंने 12 विरोधियों की भीड़ का सामना किया। उनमें उनके पूर्व उपराष्ट्रपति (माइक पेंस), पांच गवर्नर (निक्की हेली, रॉन डेसेंटिस, आसा हचिंसन, क्रिस क्रिस्टी, डग बर्गम), एक सीनेटर (टिम स्कॉट), एक हाउस प्रतिनिधि (विल हर्ड), और विवेक रामास्वामी जैसी उच्च स्तरीय हस्तियां शामिल थीं। ट्रम्प का एजेंडा इतना लोकप्रिय था कि प्राइमरी शुरू होने से पहले ही आठ विरोधी बाहर हो गए। हचिंसन और रामास्वामी ने एक प्रतिशत से भी कम वोट हासिल किए और अपनी मुहिम समाप्त कर दी। फ्लोरिडा के गवर्नरशिप आसानी से जीतने वाले डेसांटिस भी केवल 1.6 फीसदी वोट के साथ बाहर हो गए। हेली लगभग 20 फीसदी वोट प्राप्त करने में कामयाब रही, लेकिन वह ट्रम्प की लोकप्रियता का सामना नहीं कर सकीं और अंततः उसका समर्थन किया।

आम चुनाव के दौरान, ट्रम्प ने इलेक्टोरल कॉलेज पर ध्यान केंद्रित किया और अपने 'मैगा' एजेंडा को सात 'स्विंग' राज्यों में से प्रत्येक के अनुरूप बनाया। उदाहरण के लिए, पेंसिल्वेनिया में, जहां ज्यादातर कामकाजी वर्ग के लोग रहते हैं, ट्रम्प ने रोजगार वापस लाने के बारे में बात की, जबकि कमला हैरिस प्रजनन अधिकारों पर केंद्रित रहीं। विस्कॉन्सिन, एक ड्रग ओवरडोज से होने वाली मौतों से तबाह राज्य, में ट्रम्प ने अफोर्डेबल केयर एक्ट का विकल्प खोजने पर अभियान चलाया, जबकि हैरिस ने दवाओं की कीमत कम करने के बारे में बात की। ट्रम्प ने इन सभी सात राज्यों को 0.9 प्रतिशत (विस्कॉन्सिन) से 5.7 प्रतिशत (एरिजोना) के अंतर से जीता।

अंत में, ट्रम्प के 'मैगा' एजेंडे ने कई पारंपरिक रूप से डेमोक्रेटिक मतदाताओं से समर्थन प्राप्त किया। उदाहरण के लिए, शहरी काउंटियों ने रिपब्लिकन पक्ष में 5.8 प्रतिशत, हिस्पैनिक-बहुमत वाली काउंटियों ने 13.3 प्रतिशत और काले-बहुमत वाली काउंटियों ने 2.7 प्रतिशत की ओर रुख किया। ट्रम्प ने अश्वेत पुरुषों के अपने हिस्से को लगभग दोगुना कर दिया, और अपने 2020 अभियान की तुलना में महिलाओं से 3 फीसदी अधिक वोट प्राप्त किए। दो साल के लंबे चुनाव में, ट्रम्प ने राष्ट्रीय स्तर पर दो बार टेलीविजन बहस कीं, और उन्हें तीन हत्या की धमकियों और अपने मुकदमों के लिए विभिन्न अदालत की तारीखों का सामना करना पड़ा। लेकिन उन्होंने देश भर में 100 से अधिक रैलियां कीं।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि ट्रम्प की जीत निर्णायक है। उनको श्रेय मिलना चाहिए, लेकिन अमेरिकी मतदाता ने लोकतंत्र के लिए उनके खतरे को कैसे नजरअंदाज कर दिया?

सच्चाई यह है कि ज्यादातर अमेरिकियों ने कभी नहीं माना कि ट्रम्प लोकतंत्र के लिए खतरा थे। वे दो कारण बताते हैं ' वे ट्रम्प को इस तरह से चित्रित करने के सभी प्रयासों को राजनीतिक रूप में देखते हैं, और उन्हें देश की संवैधानिक जांच और संतुलन व्यवस्था पर भरोसा है। मेरे हाल के लेख, 'क्यों ट्रम्प कोशिशों के बावजूद एक तानाशाह नहीं बन सकते', में मैंने अमेरिका की इस व्यवस्था के कई तरीकों को रेखांकित किया जिनके द्वारा ट्रम्प को रोका जा सकता है। जैसे कि अमेरिकी संविधान में संशोधनों के लिए सख्त शर्तें, शक्तियों का पृथक्करण, सीनेट का फिलिबस्टर नियम, उनकी अनूठी संघीय संरचना जहां राज्य सरकारों को भंग नहीं किया जा सकता, और संघीय और राज्य न्यायपालिकाओं की स्वतंत्रता और उनका पृथक्करण। उस संविधान के तहत 235 वर्षों में कोई भी राष्ट्रपति निरंकुश रूप से कार्य करने में सक्षम नहीं रहा है, क्योंकि अमेरिका के समझदार संस्थापकों ने ऐसा करने के लिए कोई तंत्र नहीं छोड़ा था। ट्रम्प के पुनरुत्थान और जीत से पता चलता है कि अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था मजबूत है। इसने विरोधियों द्वारा ट्रम्प के राजनीतिक भविष्य को खत्म करने के एक ठोस अभियान के बावजूद जनता की पसंद को उभरने की अनुमति दी।

कितने समय में म्यूचुअल फंड्स में पैसे होंगे डबल

परिवहन विशेष न्यूज

म्यूचुअल फंड निवेश के सबसे लोकप्रिय माध्यमों में से एक है। म्यूचुअल फंड कई तरह के होते हैं लेकिन ज्यादातर निवेशक इक्विटी और डेट MF को पसंद करते हैं। कई निवेशकों के मन में ये सवाल आता है कि म्यूचुअल फंड में निवेश की शुरुआत कैसे करें उनके लिए कौन-सा प्लेटफॉर्म सही है किस म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए? आइए इन सभी सवालों का जवाब जानते हैं।

नई दिल्ली। सीरीज के पिछले एपिसोड में हमने जाना कि अगर आप बाजार को लगातार ट्रैक नहीं कर सकते हैं तो म्यूचुअल फंड आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प है। क्योंकि आपके निवेश को एक फंड मैनेजर, मैनेज करता है। हालांकि कई निवेशकों के मन में ये सवाल आता है कि म्यूचुअल फंड में निवेश की शुरुआत कैसे करें, उनके लिए कौन-सा प्लेटफॉर्म सही है, किस म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए? इस सीरीज के दूसरे एपिसोड में हमने इन्हीं सवालों के जवाब जानने कि कोशिश की। इन सभी मुद्दों पर हमसे बातचीत की Avdhesh Garg, Founder & CEO, Confidence Investment ने।

Mutual Fund कितने प्रकार के होते हैं?

इस सवाल के जवाब में Avdhesh Garg ने बताया कि म्यूचुअल फंड मुख्य रुप से दो तरीके के होते हैं। एक Equity Mutual Fund और दूसरा Debt Mutual Fund । इन दोनों में अलग-अलग तरह के जोखिम जुड़े होते हैं। और दोनों अलग-अलग तरह से काम करते हैं। अगर आप इसके बारे में पूरी जानकारी लेना चाहते हैं तो इस वीडियो को यहां पूरा देख सकते हैं।

कितना होता है जोखिम?

Equity Mutual Fund में आपके सारे पैसे शेयर बाजार में लगाए जाते हैं। जिसमें बाजार के उतार-चढ़ाव का रिस्क होता है। जबकि Debt Mutual Fund में आपके पैसे उधार में लगाए जाते हैं जिसमें Interest Rate का रिस्क होता है। Debt Mutual Fund में ब्याज दरें बढ़ने से आपका रिटर्न कम होने का खतरा होता है जबकि ब्याज दरें कम होने से रिटर्न बढ़ने की उम्मीद होती है।

क्या होता है Rule No 72?

इस रुल के जरिए आप ये जान सकते हैं कि आपके पैसे कितने सालों में दोगुने होंगे। इसके लिए आपको जितना भी रिटर्न मिल रहा है उसे 72 से भाग कर दें। गर्ग ने एक उदाहरण के जरिए बताया कि ₹जैसे मान लीजिए आपको एक साल में 12% का रिटर्न मिल रहा है तो आप 12/72 करेंगे यानी कि 6 सालों में पैसे डबल। इसके साथ ही ध्यान रखें कि जितना ज्यादा Compound Annual Growth Rate यानी CAGR होगा उतनी जल्दी आपका पैसा डबल होगा।₹

अगर आप भी Mutual Fund में निवेश करना चाहते हैं तो आप इस सीरीज से जुड़कर Mutual Fund के बारे में सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। "Finance के फंडे" सीरीज के सभी एपिसोड देखने के लिए क्लिक करें-

पीयूष गोयल के बाद वित्त मंत्री ने भी सस्ती ब्याज दर की वकालत की, अब क्या करेगा आरबीआई?

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि मुख्य रूप से आलू प्याज और टमाटर जैसे तीन जल्दी नष्ट होने वाले आइटम की वजह से खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी दिख रही है। उन्होंने कहा कि देश को विकसित करने के लिए ब्याज दर सस्ता करनी चाहिए। कुछ दिन पहले वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी कहा था कि ब्याज दरों को खुदरा महंगाई से जोड़कर देखने को थ्योरी गलत है।

नई दिल्ली। आरबीआई भले ही महंगाई का हवाला देकर ब्याज दरों में कटौती नहीं कर रहा है, लेकिन देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मानती है कि विकसित भारत के निर्माण के लिए सस्ती ब्याज दरों की जरूरत है। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हमें कई मोर्चे पर यह सुनने को मिलता है कि ब्याज की दरें अधिक हैं। औद्योगिक विकास और उत्पादन क्षमता में विस्तार के लिए ब्याज दरों को सस्ता करना होगा और इसे लेकर बातचीत करने की आवश्यकता है।

कुछ दिन पहले वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी ब्याज दरों में कटौती की वकालत की थी। अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर के छह प्रतिशत के पार पहुंच जाने के बाद दिसंबर में आरबीआइ की तरफ से बैंक रेट में कटौती की संभावना खत्म हो गई है।

सोमवार को मुंबई में आयोजित एसबीआई के कार्यक्रम में सीतारमण ने कहा कि मुख्य रूप से आलू, प्याज और टमाटर जैसे तीन जल्दी नष्ट होने वाले आइटम की वजह से खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी दिख रही है। एक अवधि में इन आइटम की सप्लाई प्रभावित होने से महंगाई बढ़ जाती है। इन तीन के अलावा खाद्य तेल की खुदरा कीमतों से भी महंगाई पर असर दिख रहा है। बाकी अन्य प्रमुख वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर नियंत्रण में है।

एमएसएमई को अगले वित्त वर्ष में 6.12 लाख करोड़ का लोन

वित्त मंत्री ने सभी सरकारी बैंकों से एमएसएमई को कर्ज देने में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतने के साथ उन्हें अधिक लोन देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि एमएसएमई की अनदेखी करके विकसित भारत का निर्माण नहीं हो सकता है। एमएसएमई उद्यमिता के साथ रोजगार का सृजन करते हैं। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में एमएसएमई को पहले से तय 4.21 लाख करोड़ के लोन के अलावा 1.54 लाख करोड़ का अतिरिक्त लोन दिया जाएगा।

आगामी वित्त वर्ष 2025-26 में एमएसएमई को 6.12 लाख करोड़ तो वित्त वर्ष 2026-27 में एमएसएमई को सात लाख करोड़ के लोन देने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि बैंकों को टियर-5 व टियर-6 जैसे शहरों में भी लोन देने की रफ्तार को बढ़ाना होगा। बैंक छोटे-छोटे शहरों के लघु उद्यमियों को बड़े शहरों के उद्यमियों की तुलना में काफी कम लोन देते हैं।

वित्त मंत्री ने एमएसएमई को मशीनरी और अन्य कार्यशील पूंजी का लोन भी बिना गिरवी के देने की सिफारिश की। हालांकि इस काम के लिए सभी सरकारी बैंक अलग से क्रेडिट माडल तैयार कर रहे हैं जिसकी घोषणा इस साल बजट में की गई थी।

ग्राहकों को अनावश्यक इंश्योरेंस नहीं बेचने का निर्देश

वित्त मंत्री ने कहा कि बैंक का मुख्य काम जमा लेना और उधार देना है। कर्ज के प्रवाह को जारी रखने के लिए जमा बढ़ाने की जरूरत है और बैंक को अपने मुख्य काम पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी देखा जा रहा है कि बैंक लोन देने के दौरान ग्राहकों को इंश्योरेंस उत्पाद खरीदने पर जोर देते हैं जिसे ग्राहक अप्रत्यक्ष तौर पर ब्याज की लागत के रूप में देखता है। ग्राहकों के बीच गलत धारणा बनती है। हालांकि इससे इंश्योरेंस का दायरा बढ़ता है, लेकिन बैंकों को अनावश्यक रूप से ग्राहकों को इंश्योरेंस उत्पाद नहीं बेचना चाहिए।

भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास का डीपफेक वीडियो वायरल, केंद्रीय बैंक ने जनता को किया आगाह

परिवहन विशेष न्यूज

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें आरबीआई गवर्नर कुछ निवेश योजनाएं शुरू करने या उनमें पैसा लगाने की बात कर रहे हैं। आरबीआई ने जनता को आगाह किया है कि वह ऐसे फर्जी वीडियो के झांसे में न आए। आरबीआई अधिकारी कभी किसी प्रोडक्ट में निवेश करने की सलाह नहीं देते।

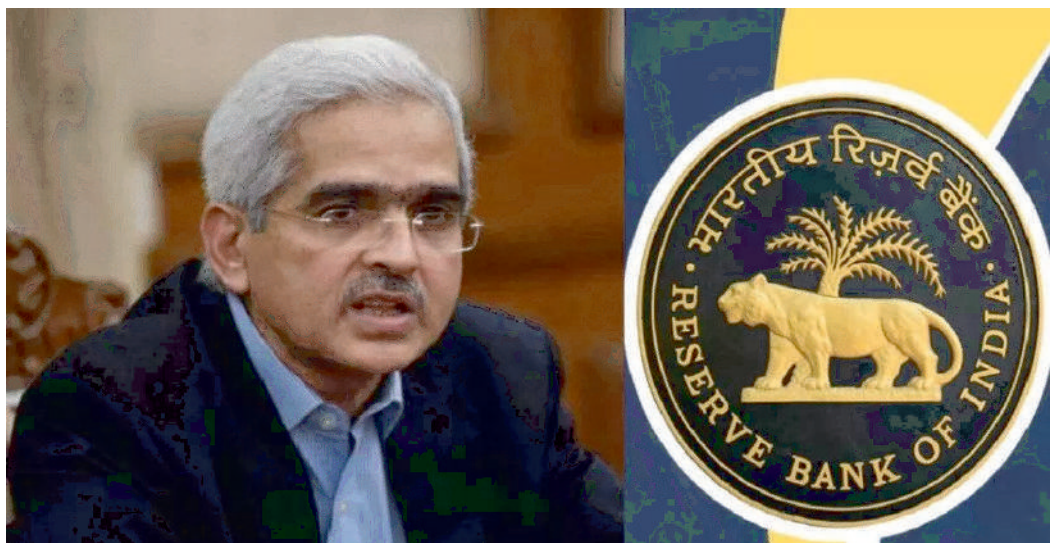

नई दिल्ली। टेक्नोलॉजी का चलन बढ़ने के साथ इससे जुड़े फ्रॉड भी बेतहाशा बढ़े हैं। ताजा मामले में जालसाजों ने आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का 'डीपफेक' बनाया है। इसमें आरबीआई गवर्नर कुछ निवेश योजनाएं शुरू करने या उसका समर्थन करने की बात कर रहे हैं। इन योजनाओं को केंद्रीय बैंक यानी आरबीआई की तरफ से चलाने की बात कही जा रही है।

आरबीआई ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे गवर्नर शक्तिकांत दास के 'डीपफेक' यानी फर्जी वीडियो के प्रति आगाह किया है। आरबीआई ने मंगलवार को जारी बयान में कहा, 'हमारे संज्ञान में आया है कि गवर्नर के फर्जी वीडियो इंटरनेट मीडिया में प्रसारित किए जा रहे हैं। इसमें आरबीआई द्वारा कुछ निवेश योजनाओं को शुरू करने या समर्थन करने का दावा किया गया है।'

वीडियो में तकनीकी उपकरणों के उपयोग के माध्यम से लोगों को ऐसी योजनाओं में अपना पैसा निवेश करने की सलाह देने की कोशिश की गई है। बयान में कहा गया, 'आरबीआई स्पष्ट करता है कि उसके अधिकारी ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं हैं या उसका समर्थन नहीं करते हैं और ये वीडियो पूरी तरह से फर्जी हैं। आरबीआई कभी भी कोई वित्तीय निवेश सलाह नहीं देता है।'

एनएसई के सीईओ का भी आया था डीपफेक

इस साल की शुरुआत में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने निवेशकों को सावधान करते हुए एक ऐसी ही सलाह जारी की थी। उस वक्त एनएसई क MD और CEO आशीष कुमार चौहान के डीपफेक वीडियो आया था, जिसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की मदद से बनाया गया था। उसमें चौहान कुछ स्टॉक को खरीदने की सिफारिश करते दिख रहे थे।

एनएसई ने तब साफ किया था कि निवेशक ऐसे झांसे में न आएं, क्योंकि एनएसई अधिकारी शेयर खरीदने या बेचने की सलाह नहीं देते। इसके अलावा भी कई मामले हैं, जहां बड़े कारोबारियों के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर खरीदने की सिफारिश करते और व्यावसायिक सलाह देते हुए वायरल किए गए थे। वे सभी वीडियो फर्जी थे और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनाए गए थे।

एक्सचेंज खुद भी उन समाचारों पर नजर रखते हैं जो कंपनियों के बारे में प्रसारित होते हैं और जिनका संबंधित कंपनियों ने खुलासा नहीं किया होता। वे यह भी ट्रैक करते हैं कि क्या निवेशक ऐसी कंपनियों में असत्यापित समाचारों के आधार पर निवेश कर रहे हैं। अगर समाचार असत्यापित है, तो एक्सचेंज आमतौर पर कंपनी से पुष्टि या खंडन करने के लिए कहते हैं।

सोने की कीमतों में उछाल, चांदी भी चमकी; चेक कीजिए लेटेस्ट प्राइस

पिछले कई दिनों से सोने के भाव में गिरावट देखने को मिल रही थी। लेकिन मंगलवार को इसमें जोरदार तेजी आई। व्यापारियों का कहना है कि शादी समारोह के लिए स्थानीय जौहरियों और खुदरा विक्रेताओं की बढ़ती खरीदारी के कारण भी सोने की कीमतों में तेजी आई। चांदी भी 1500 रुपये उछलकर 93500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई जबकि पिछले बंद भाव 92000 रुपये प्रति किलोग्राम था।

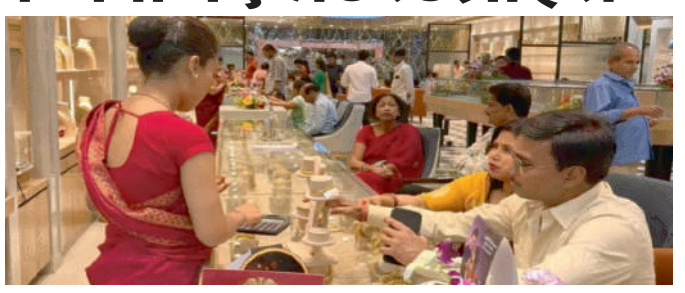

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों ने फिर तेजी का रुख पकड़ लिया है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 600 रुपये उछलकर 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। इसकी बड़ी वजह मजबूत वैश्विक रुख रहा। सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली कीमती धातु 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

व्यापारियों का कहना है कि शादी समारोह के लिए स्थानीय जौहरियों और खुदरा विक्रेताओं की बढ़ती खरीदारी के कारण भी सोने की कीमतों में तेजी आई। सोमवार को चांदी 1,500 रुपये उछलकर 93,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जबकि पिछले बंद भाव 92,000 रुपये प्रति किलोग्राम था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 600 रुपये बढ़कर 77,650 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछले सत्र में यह 77,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

एक्सिस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक देवेया गगलानी ने कहा, ₹पिछले सत्र में कई दिनों के कमजोर प्रदर्शन के बाद एमसीएक्स सोने की कीमतों में उछाल आया, जिसका मुख्य कारण डॉलर इंडेक्स में गिरावट थी।₹ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स सोना वायदा 19.50 डॉलर प्रति औंस या 0.75 प्रतिशत बढ़कर 2,634.10 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट - कमोडिटी और करेंसी, जतीन त्रिवेदी ने कहा, ₹भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई है, साथ ही रूस-यूक्रेन संघर्ष में परमाणु जोखिमों को लेकर नए सिरे से आशंकाएं पैदा हुई हैं। इससे सुरक्षित निवेश की मांग में तेजी आई है, जिससे सोने की मांग बढ़ी है।₹

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक - कमोडिटीज, सौमिल गांधी के अनुसार, मंगलवार को सोना एक सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और 2,615 डॉलर प्रति औंस से ऊपर चढ़ गया, जो अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड, डॉलर और सुरक्षित निवेश की मांग में गिरावट के कारण हुआ। एशियाई कारोबारी घंटों में कॉमेक्स सिल्वर वायदा 0.79 प्रतिशत बढ़कर 31.47 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

गोल्डमैन सैक्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, एजेंसी ने आने वाले वर्ष के लिए कीमती धातुओं की कीमतों में पर्याप्त वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो केंद्रीय बैंक अधिग्रहणों में वृद्धि और अमेरिकी ब्याज दरों में अपेक्षित कटौती से प्रेरित है। यह दिसंबर 2025 तक 3,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के लक्ष्य को दोहराता है।

इस साल सोने में जोरदार तेजी आई है, जिसने कई रिकॉर्ड बनाए हैं। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प की जीत के बाद इसमें गिरावट आई है, जिससे डॉलर मजबूत हुआ। आधिकारिक क्षेत्र की खरीद में वृद्धि और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा आसान मौद्रिक नीति की ओर रुख करने से कमोडिटी की बढ़त को बल मिला है। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ट्रम्प प्रशासन निकट भविष्य में बुलियन की भी सहायता कर सकता है।

नारायण मूर्ति, भाविश अग्रवाल और दक्ष गुप्ता... आखिर कंपनियों में वर्क-लाइफ बैलेंस पर क्यों छिड़ी बहस?

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में वर्क कल्चर को लेकर बहस काफी तेज हो गई है। सबसे पहले इन्फोसिस के फाउंडर नारायण मूर्ति ने हफ्ते में 70 घंटे काम की वकालत की। ओला इलेक्ट्रिक के फाउंडर भाविश ने एक पुराने इंटरव्यू में शनिवार-रविवार की छुट्टी को वेस्टर्न कल्चर बताया था। अब भारतीय मूल के एक सीईओ ने 84 घंटे के वर्कवीक की बात कही है जिस पर उन्हें धमकियां तक मिल रही है।..

नई दिल्ली। पिछले दिनों इन्फोसिस के फाउंडर एनआर नारायण मूर्ति ने वर्क कल्चर को लेकर एक बयान दिया, जिस पर काफी बवाल मचा था। मूर्ति का कहना था कि वह वर्क-लाइफ बैलेंस में यकीन नहीं रखते। उनका मानना है कि लोगों को हफ्ते में 70 घंटे काम करना चाहिए। मूर्ति ने पीएम नरेंद्र मोदी की मिसाल भी दी कि अगर वह हफ्ते में 100 घंटे काम कर सकते हैं, तो हम क्यों नहीं।

अब भारतीय मूल के एक सीईओ दक्ष गुप्ता अपने स्टार्टअप के वर्क कल्चर को लेकर चर्चा में हैं। अमेरिका में रहने वाले दक्ष का कहना है कि उनके एआई स्टार्टअप ग्रेप्टाइल में 84 घंटे का वर्कवीक है। इसका मतलब कि 6 दिन वर्किंग डेज के हिसाब से कर्मचारियों को रोजाना 14 घंटे काम करना पड़ता है। दक्ष का कहना है कि हमारे स्टार्टअप में शनिवार को कोई छुट्टी नहीं होती और कभी-कभी रविवार को भी काम करना पड़ता है।

दक्ष को मिल रही जान से मारने की धमकियां

दक्ष गुप्ता ने अपने स्टार्टअप के वर्क कल्चर पर एक पोस्ट लिखी थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि ग्रेप्टाइल में काम सुबह 9 बजे शुरू होता है और रात 11 बजे तक जारी रहता है। उन्होंने कहा कि हम जॉब इंटरव्यू में कैंडिडेट को पहले ही राउंड में बता देते हैं कि हमारी कंपनी में वर्क-लाइफ बैलेंस की कोई गुंजाइश नहीं। शुरू-शुरू में ऐसा कहना थोड़ा अजीब जरूर था, लेकिन अब लगता है कि यह पारदर्शिता बरतना सही है।

दक्ष गुप्ता की पोस्ट काफी वायरल हुई। इसे एक मिलियन से ज्यादा व्यूज मिला। सोशल मीडिया पर यूजर्स दोफाड़ हो गए। कुछ ने दक्ष की ट्रांसपरेंसी की तारीफ की, तो ज्यादातर ने इसे 'टॉक्सिक वर्क कल्चर' करार दिया। दक्ष ने तमाम आलोचनाओं के बीच एक अन्य पोस्ट की, जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है।

वर्क-लाइफ बैलेंस पर क्यों छिड़ी बहस

इन्फोसिस के नारायण मूर्ति या फिर ग्रेप्टाइल के दक्ष गुप्ता जैसे फाउंडर का मानना है कि देश या कंपनी को आगे बढ़ाने के लिए कर्मचारियों को अधिक काम करना जरूरी है। नारायण मूर्ति का कहना है कि जब 1980 के दशक में कारोबार जगत ने 6 से 5 डे वर्किंग वीक का रुख किया, तो उन्हें काफी दुख हुआ। मूर्ति के मुताबिक, जर्मनी और जापान जैसी तरक्की के लिए भारत में कामकाजी घंटा बढ़ाना होगा।

ओला इलेक्ट्रिक के फाउंडर भाविश अग्रवाल का भी एक पुराना इंटरव्यू वायरल हुआ है। इसमें वह शनिवार और रविवार की छुट्टी को गलत बताते नजर आ रहे हैं। वह इंटरव्यू में अंग्रेजी में कह रहे हैं कि शनिवार-रविवार का वीकेंड पश्चिमी देशों का कल्चर है। उनका दावा है कि वह खुद रोजाना 20 घंटे काम करते हैं। उन्होंने नारायण मूर्ति के 70 घंटे काम वाले बयान का समर्थन भी किया था।

पक्ष और विपक्ष में क्या है दलील?

नारायण मूर्ति, भाविश अग्रवाल या दक्ष गुप्ता जैसे फाउंडर का कई लोग सोशल मीडिया पर समर्थन कर रहे हैं। उनमें कुछ लोग रेहड़ी लगाने या दुकान चलाने वालों की मिसाल देते हैं, जो सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक काम करते हैं। किसानों की भी मिसाल दी जा रही है, जो सुबह से लेकर शाम तक खेत में काम करते रहते हैं।

वहीं, इनकी खिलाफत करने वालों की दलील है कि फाउंडर का अधिक काम करना उनका व्यक्तिगत हित है। कंपनी जितना बढ़ेगी, उन्हें उतना ही ज्यादा फायदा होगा। लेकिन, आम कर्मचारी अगर अपनी सेहत से खिलवाड़ करके दिन में 14-15 काम करता है, तो भी कंपनी के बढ़ने पर फाउंडर के मुकाबले उसका लाभ न के बराबर रहेगा।

किसान और दुकानदार वाली मिसाल पर यूजर्स का कहना है कि वे उनका निजी काम है, जैसे कि फाउंडर की अपनी कंपनी। उन्हें भी उपज या बिक्री से होने वाला पूरा लाभ मिलेगा। उनकी तुलना भी कर्मचारियों से करना सही नहीं होगा। कई यूजर्स ने यह भी तंज किया कि नारायण मूर्ति की इन्फोसिस आज भी फ्रेशर को 10 साल पहले जितना ही सालाना पैकेज देती है और उनसे काम मशीनों क तरह लेना चाहती है।

ज्यादा घंटे काम करने में कंपनी का फायदा?

कई रिसर्च का कहना है कि अगर कोई कर्मचारी हद से ज्यादा समय तक काम करता है, तो उसकी प्रोडक्टिविटी पर बुरा असर पड़ सकता है। इस सूरत में कंपनी को फायदा की बजाय नुकसान अधिक हो सकता है। ज्यादा काम करने से थकान और तनाव जैसी परेशानियां भी हो सकती हैं, जिससे कर्मचारियों के निर्णय लेने की क्षमता और कार्यकुशलता प्रभावित हो सकती है।

नारायण मूर्ति जापान और जर्मनी की तरक्की की मिसाल दे रहे हैं। लेकिन, दोनों ही देशों में एक हफ्ते के दौरान 36 से 40 घंटे का नियम है। मूर्ति और भाविश को दो वीक ऑफ से चिढ़ है, लेकिन यूरोपीय देशों में कई कंपनियां तीन दिन के वीक ऑफ का प्रयोग कर रही हैं। जापान की इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स कंपनी पैनासोनिक भी हफ्ते में तीन दिन की छुट्टी देती है।

माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों का फोर-डे वर्किंग वीक के प्रयोग के बारे में कहना है कि इससे कर्मचारियों की प्रोडक्टिविटी 40 फीसदी तक बढ़ गई, मानसिक दिक्कतें दूर हुई और अचानक छुट्टी लेने के मामले भी काफी कम हो गए। इससे पर्यावरण को भी फायदा होगा, क्योंकि कर्मचारियों को अधिक यात्रा नहीं करनी पड़ेगी, जिससे उनका कार्बन फुटप्रिंट कम हो जाएगा।

बुलडोजर न्याय: प्रशासनिक दक्षता और संवैधानिक अधिकारों के बीच टकराव

हाल ही में, सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 142 के अंतर्गत संपत्ति के विध्वंस के लिए दिशा-निर्देश स्थापित किए, जिसमें व्यक्तिगत नोटिस जारी करना और अपील के लिए पर्याप्त समय प्रदान करना अनिवार्य किया गया। न्यायालय ने बुलडोजर न्याय के मुद्दे पर प्रकाश डाला, तथा अपने हालिया निर्णय में इसे कानून के शासन के अंतर्गत अस्वीकार्य माना। संपत्ति और विध्वंस अधिकारों पर नागरिकों को शिक्षित करने से समुदायों को अवैध कार्यों का विरोध करने और उचित प्रक्रिया की मांग करने में मदद मिलती है। महाराष्ट्र में स्थानीय गैर सरकारी संगठनों द्वारा की गई पहल कानूनी परामर्श प्रदान करती है, जिससे परिवार अनुचित विध्वंस का विरोध कर सकते हैं। जवाबदेही ढांचे को लागू करने से यह सुनिश्चित होता है कि उचित प्रक्रिया को दरकिनार करने वाले अधिकारियों को ज़िम्मेदार ठहराया जाए, जिससे शासन में विश्वास बढ़ता है। विध्वंस की निगरानी के लिए लोकपाल की स्थापना से दुरुपयोग को रोका जा सकता है और निष्पक्षता को बढ़ावा मिल सकता है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

बुलडोजर न्याय अक्सर उचित नोटिस या बचाव का मौका जैसी कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर देता है, जो संविधान में निहित निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को चुनौती देता है। हाल ही में हुए विध्वंस में, परिवारों को न्यूनतम नोटिस दिया गया, जो अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करता है। यह प्रथा निर्दोषता की धारणा का खंडन करती है, जहाँ व्यक्तियों को बिना किसी परीक्षण या दोषसिद्धि के दोषी माना जाता है, जो कानून के शासन का उल्लंघन है। उत्तर प्रदेश में, बिना किसी ठोस सबूत के केवल आरोपों के आधार पर संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया, सबूत के कानूनी मानकों की अवहेलना की गई। विध्वंस न केवल अभियुक्तों पर बल्कि परिवारों और समुदायों पर भी प्रभाव डालता है, जो सामूहिक दंड के विरुद्ध सिद्धांत का उल्लंघन करता है। मध्य प्रदेश में, एक सदस्य की कथित संलिप्तता के कारण विध्वंस ने परिवारों को बेघर कर दिया, जिससे निर्दोष आश्रित प्रभावित हुए। बुलडोजर न्याय कार्यकारी और न्यायिक भूमिकाओं को धुंधला कर देता है, क्योंकि प्रशासनिक निकाय अनुच्छेद 50 का उल्लंघन करने वाले न्यायालयों के लिए दंड निष्पादित करते हैं। न्यायालय के निर्देशों के बिना संपत्तियों को ध्वस्त करना अधिकारियों को उनके दायरे से बाहर काम करते हुए दिखाता है, जो न्यायपालिका की भूमिका का उल्लंघन करता है।

जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय ने उजागर किया है, उचित नोटिस या सुनवाई का अभाव प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, जिससे उन्हें बचाव का कोई अवसर नहीं मिलता। बुलडोजर न्याय प्रशासनिक दक्षता और अतिक्रमणों पर त्वरित कार्यवाही को बनाए रखता है। अनधिकृत संरचनाओं के त्वरित विध्वंस से शहरी विकास में देरी ख़त्म होती है और भूमि प्रबंधन प्रक्रियाएँ सुव्यवस्थित होती हैं। दिल्ली (2023) में, जहाँगीरपुरी जैसे क्षेत्रों में विध्वंस अभियान का उद्देश्य अवैध निर्माण की रिपोर्ट सामने आने के बाद सार्वजनिक स्थानों को जल्दी से पुनः प्राप्त करना था, जिससे शहरी विकास परियोजनाओं का सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। अवैध निर्माण के तत्काल परिणाम एक शक्तिशाली चेतावनी के रूप में कार्य करते हैं, जो भविष्य में उल्लंघन को हतोत्साहित करते हैं। अतिक्रमित क्षेत्रों का तेजी से पुनर्ग्रहण उनके उचित उपयोग को सुनिश्चित करता है, जिससे बेहतर शहरी शासन और सार्वजनिक उपयोगिता में योगदान मिलता है। निर्णायक कार्यवाही राज्य की कानूनों को बनाए रखने की क्षमता को मज़बूत करती है, जिससे शासन में जनता का विश्वास बढ़ता है। लंबे समय तक चलने वाली कानूनी और नौकरशाही देरी को दरकिनार करके, यह लागत को कम करता है और भूमि विवादों के समाधान में तेजी लाता है। दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन (2023) की तैयारियों के दौरान, क्षेत्र को सुंदर बनाने और सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रमुख स्थलों के पास से अतिक्रमण को तेजी से हटाया गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए प्रभावी संसाधन प्रबंधन का प्रदर्शन हुआ।

जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघनः उचित प्रक्रिया के बिना तोड़फोड़ अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करती है, जो आश्रय के अधिकार सहित जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देता है। ओल्गा टेलिस बनाम बॉम्बे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में, सुप्रीम कोर्ट ने फ़ैसला सुनाया कि आवास अधिकार जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग हैं, हाल ही में हुई तोड़फोड़ में इस सिद्धांत का उल्लंघन किया गया। विध्वंस नीतियों को लागू करने में एकरूपता की कमी प्रक्रियात्मक मनमानी को जन्म देती है, जो संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करती है। पूजा स्थलों या सांस्कृतिक महत्त्व के स्थलों को नष्ट करना, धर्म का पालन करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता का उल्लंघन कर सकता है (अनुच्छेद 25-30)। कानूनी नोटिस या सुनवाई के बिना मनमाने ढंग से किए गए विध्वंस व्यक्ति के संपत्ति रखने और उसका आनंद लेने के अधिकार को कमजोर करते हैं। संविधान में यह अनिवार्य किया गया है कि किसी भी व्यक्ति को कानून के अधिकार के अलावा उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जाएगा। कार्यकर्ताओं, पत्रकारों आदि के खिलाफ दंडात्मक उपायों के रूप में इस्तेमाल किए जाने पर विध्वंस अभियान असहमति पर भयावह प्रभाव डालते हैं। संपत्ति और विध्वंस अधिकारों पर नागरिकों को शिक्षित करने से समुदायों को अवैध कार्यों का विरोध करने और उचित प्रक्रिया की मांग करने में मदद मिलती है। महाराष्ट्र में स्थानीय गैर सरकारी संगठनों द्वारा की गई पहल कानूनी परामर्श प्रदान करती है, जिससे परिवार अनुचित विध्वंस का विरोध कर सकते हैं। जवाबदेही ढांचे को लागू करने से यह सुनिश्चित होता है कि उचित प्रक्रिया को दरकिनार करने वाले अधिकारियों को ज़िम्मेदार ठहराया जाए, जिससे शासन में विश्वास बढ़ता है। विध्वंस की निगरानी के लिए लोकपाल की स्थापना से दुरुपयोग को रोका जा सकता है और निष्पक्षता को बढ़ावा मिल सकता है।

पूर्व सूचना, न्यायिक समीक्षा और अपील समय के लिए प्रोटोकॉल विकसित करना नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करता है। 15-दिन की नोटिस अवधि को अनिवार्य करने वाले सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देश पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं और मनमाने ढंग से किए जाने वाले विध्वंस से बचाते हैं। प्रभावित परिवारों के लिए वैकल्पिक आवास या मुआवजा प्रदान करना प्रशासनिक कार्यों को सामाजिक न्याय सिद्धांतों के साथ जोड़ता है। दिल्ली में, अतिक्रमण हटाने के दौरान विस्थापित परिवारों के पुनर्वास ने आश्रय के अधिकारों को बरकरार रखा। निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए विध्वंस की निगरानी भेदभाव सम्बंधी चिंताओं को दूर करती है और वैध, न्यायसंगत कार्यवाही को लागू करती है। यूपी में स्वतंत्र ऑडिट टीमें कानूनी दिशानिर्देशों के अनुपालन की पुष्टि करने और पक्षपातपूर्ण लक्ष्यीकरण को रोकने के लिए विध्वंस का आकलन करती हैं। बुलडोजर न्याय प्रशासनिक दक्षता और संवैधानिक अधिकारों के बीच जटिल संतुलन को उजागर करता है। कानूनी सुरक्षा, पारदर्शी प्रोटोकॉल और जवाबदेही सुनिश्चित करके, भारत ऐसे शासन को बढ़ावा दे सकता है जो कानून के शासन और मानव गरिमा का सम्मान करता हो, लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ संरेखित हो और प्रभावी प्रशासन को सक्षम बनाता हो।

मस्क गिरे हुए पैसे नहीं उठाएंगे

ये समाचार पढ़ा एलन मस्क
अपने गिरे हुए पैसे नहीं उठाएंगे,
हर सेकंड की कमाई ही
यारों इतनी है कि वह भूल जाएंगे।
देखों कितना कीमती है वक्त
कि पैसा उठाने का समय नहीं,
बाबा अपन तो फकीर ही हैं,
गिरने का जो इंतजार करते हैं।
भाई पैसा तो पैसा है,
गिर जाए नोट तो लपकते हैं।
नहीं होगा मस्क को कोई अफसोस,
मगर अपने पास नहीं है कोई सोर्स!
गर अपने पैसे गिर जाएं,
तो होता है जिंदगी भर अफसोस।
आ जाता है घर में तूफान,
सब की आंखों में नजर आता है रोष,
तब घर वाले पूछते हैं कहां था ध्यान,
ऐसा भी क्या जवानी का जोश!
पैसे गिर जाए और ना रहे होश।
अरे वह तो एलन मस्क है,
अपन तो उसके पैरों की डस्ट हैं!
अरे वह भले ही रहता मस्त है,
भइये अपनी हालत तो देखों,
एक रुपया गिरने पर भी होती पस्त है।
आओ एलन मस्क समय निकालो,
एक दिन गरीब बस्ती में पधारो!
खूब गिराओ पैसा और हमको भी संभालो,
हमारे देश आकर पुण्य ही कमा लो।
(संदर्भ : एलन मस्क के 2 लाख रुपए गिर जाए तो वह नहीं उठाएंगे।)

संजय एम. तराणेकर

गाये लदी पिकअप वैन का भीषण हादसा हो गया

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर : मयूरभंज जिले के उदला थाना क्षेत्र में एक भीषण हादसा हो गया। हादसे के बाद गाये लदी पिकअप वैन पूरी तरह जलकर खाक हो गई। एक गाये जिंदा जल गया जबकि 4 मवेशियों को अधजली हालत में बचाया गया।नतीजा यह हुआ कि पिकअप वैन में आग लगने से एक गाय जिंदा जल गयी, जबकि 4 गायों को अधजली अवस्था में स्थानीय लोगों ने बचाया। उधर, बताया जाता है कि वाहन चालक वापस लौट आया है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। जबकि दमिश्क की सेना ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। बताया जाता है कि पिकअप वैन में 8 मवेशी थे।

नुआगांव वोट बहिष्कार मामले पर ग्रामीणों को अंजाम भुगतने की धमकी, निर्वाचन अधिकारी को भेजे चिट्ठी से खलबली

परिवहन विशेष न्यूज

रांची : खरसावां विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सरायकेला प्रखंड के नुआगांव टोला बागानसाई में मौलिक अधिकार व मूलभूत सुविधाओं को लेकर वोट बहिष्कार करने की मामला को लेकर संदिग्ध गतिविधि में लिप्त युवक अक्षय मंडल द्वारा एक आवेदक मनोज मंडल को बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी गई है। ग्रामीण युवक मनोज मंडल ने इसकी शिकायत खरसावां विधानसभा के चुनाव पर्यवेक्षक को भेजा है। पीड़ति मनोज मंडल द्वारा चुनाव आयोग को दिए गए पत्र में कहा है कि लुपुंग गांव के दलाल नुमा संदिग्ध युवक अक्षय मंडल द्वारा नुआगांव टोला बागान साईं में अवैध गतिविधियों का अड्डा बनाया हुआ है। इस क्षेत्र में सड़क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को संदिग्ध युवक द्वारा विकसित होने नहीं देना चाहता है।

सबसे बड़ी बात संबंधित सड़क का निविदा जिस विभाग से निकला है उस विभाग पूर्व मंत्री ईडी के गिरफ्त में हैं तथा जिस कार्यपालक अभियंता श्री अजय तिर्की द्वारा इसकी निविदा निकाली गयी है उनके ठिकाने पर ईडी छापामारी कर बड़ी धनराशि जप्त की है। इतना ही नहीं नुआगांव सड़क निविदा घोर त्रुटिपुर्ण है जहां नुआगांव को राजनगर प्रखंड दर्शाकर टेंडर निकाली गयी है, आवेदन कर्ता ने कहा है भला कौन तृटिपूर्ण नाम के विकास कार्य में भुगतान कर रेगा। आश्चर्य की बात यह है कि उस कार्य में विश्वदीप वागे नामक व्यक्ति कनीय अभियंता है ये इसी जिले में पांच छह वर्षों से कहां कहां काम किये है तथा किये गये अनेक कार्यों का प्राक्कलित राशि अनाप शनाप कारण दर्शाकर इस्टीमेट रिवाइज कर संवेदकों को भुगतना किये है, जो उच्चस्तरीय जांच का विषय हो सकता है।

गांव में सड़क विकसित होगा तो उसके संदिग्ध गतिविधियों पर सब की नजर आएगी कुछ लोग इसका फायदा लेना चाहते। चुनाव आयोग को सौंपे हुए ज्ञापन में पीड़ित युवक ने बताया कि अक्षय मंडल बड़े-बड़े प्रभावी नेताओं के साथ फोटो दिखाकर अधिकारियों को अपने झांसे में कर लेता है और अवैध तरीके से अपनी गतिविधियों का संचालन करता है। उन्होंने कहा नुआगांव टोला बागान साईं में कई दशकों से लोगों को सड़क नहीं मिल पाया है और यहां के लोग मूलभूत सुविधा एवं मौलिक अधिकार से अब भी वंचित हैं। सड़क, शिक्षा, पेयजल, सिंचाई आदि की मांग ग्रामीणों की है। इन मांगों को लेकर ग्रामीणों द्वारा विधानसभा चुनाव में वोट बहिष्कार किया गया था। ग्रामीणों की मांग की जाने वाली सड़क का टेंडर हो जाने की बात कह कर अक्षय मंडल द्वारा अंजाम बुरे होने की धमकी भी दी है। जबकि विभाग द्वारा गलत टेंडर निकाला गया था जिसमे सरायकेला की जगह राजनगर प्रखंड जिक्र है।

महान चार फिल्मी हस्तियों का सम्मान गर्व की बात है

हरिहर सिंह चौहान

'सिनेमा जगत का इतिहास हमेशा से सकारात्मक सोच व वैचारिक मंथन का शुद्ध देशी मनोरंजन का साधन रहा है। परदों की दुनिया का अदभुत संगम दादा साहेब फाल्के व राजा हरिश्चंद्र से शुरू हुई कहानी आज मल्टीप्लेक्स तक पहुंच गई। सोशल मीडिया व आनलाइन यू ट्यूब व गुगल के जमाने में भी फिल्में हम सभी के लिए बहुत प्रभावी है ओर हमेशा रहेगी। समाजिक समरसता की एकजुटता का फिल्मों ने ही संदेश दिया। इन्हीं फ़िल्मी सदस्यों को जो प्रतिनिधित्व कर चुके हैं उन्हें

'फिल्मों के इस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया ने उन्हीं लोकप्रिय भारतीय सिनेमा के चार दिग्गजों को याद किया जाना बहुत ही गर्व की बात है। जिसमें महान शो मैन राजकपूर गायक मोहम्मद रफ़ी, फिल्मकार तपन सिन्हा और अभिनेता ए नागेश्वर राव की जन्मशती मनाईं जा रही है। वहीं फिल्म संस्कृति के विकास हेतु युवा पीढ़ी को इस अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उचित स्थान देना बहुत जरूरी है। भारतीय सिनेमा व चित्रपट जगत का सकारात्मक संदेश यही है की इस में

युवा फिल्मकार ज्यादा से ज्यादा भाग ले जो भारतीय सिनेमा का नाम रोशन करें। क्षेत्रीय भाषाओं के साथ पूरा भारतीय सिनेमा जगत मिलजुल आगे बढ़े चाहे व तेलगु सिनेमा हो या हिन्दी या बंग्ला और अन्य भाषाओं का सिनेमा संसार सभी एकजुटता के साथ आगे बढ़े क्योंकि सभी अपनी अपनी जगह प्रतिष्ठित है। पद्मभूषण नागेश्वर राव तेलुगू व हिंदी फिल्मों में संघर्ष करते हुए सिनेमा जगत को आगे बढ़ाया। वहीं शो मैन राजकपूर जी जिनकी पीढीया इस फिल्मी दुनिया में आज भी अपना स्थान बनाईं हुई है। आर के फिल्म्स के बैनर तले हिन्दी सिनेमा का स्वर्णिम अतीत रहा जिन्होंने फिल्मों को असमान की उच्चाइयों पर पहुंचाया। वहीं तपन सिन्हा ने निदेशन के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त फिल्में बनाई। ज़मीन से जुड़े हुए बंग्ला फिल्मों के प्रति उन्होंने बहुत काम किया। वहीं पार्श्व गायक मोहम्मद रफ़ी की गायकी इतने वर्षों बाद भी लोगों के दिलों जान में बसी हुई है। आज जब भारतीय सिनेमा को 109 साल पूरे हो गए इतने वर्षों बाद भी फिर कोई मो रफ़ी साहब नहीं आया। ऐसे कलाकार अभिनेता गायक निर्माता निर्देशक व फिल्मों से जुड़े इन सभी लोगो के कारण उनके मान सम्मान की वज़ह से ही भारतीय सिनेमा जगत पूरी दुनिया में सम्मान मिलता है यह गर्व की बात है हम सभी भारत के लोगों के लिए। फिल्में हमेशा हमारे देश के लिए पथ-प्रदर्शक रही है।

24 पेड़ों को रखवाली एजेंसी ने काटा, बुद्धिजीवी खपा, पारुल सिंह ने की जांच

कार्तिक परिच्छा, स्टेट हेड

टाटा नगर, सरायकेला

खरसावां जिले के आदित्यपुर औधौगिक इलाके में स्थित प्रभात पार्क में पार्क रख-रखाव एजेंसी के ठेकेदार ने विगत दिनों 24 से भी अधिक पेड़ों को काट डाला था। मामले को लेकर 13 नवंबर को चुनाव के दिन स्थानीय प्रबुद्ध जनों ने बैठक के बाद निर्णय लिया कि उक्त मामले में दोषी ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग नगर निगम प्रशासन से की जाएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए उप नगर आयुक्त पारुल सिंह ने सोमवार को प्रभात पार्क के पेड़ कटाई स्थल का निरीक्षण किया। जहां इन्होंने पाया कि दो दर्जन से भी अधिक हरे -भरे पेड़ को ठेकेदार ने रख-रखाव के नाम पर बिना अनुमति के काट दिया है. पारुल सिंह ने बताया कि अब डीएफओ के स्तर से मामले में जांच और कार्रवाई की जाएगी. जिसमें प्रभात पार्क एजेंसी के ठेकेदार पर गाज गिरना तय है।

उल्लेखनीय है कि सरायकेला देशी रियासत अधीन आदित्यपुर का इस इलाका वनों से आच्छादित रहा। आज के सुधा डेयरी में सरायकेला राजा का शिकार इलाका रहा, जहां

राजकीय शिकार हाउस भी था। जे० एल ० परिच्छा जैसे शिकारी का प्रिय शिकार स्थल रही। जहां वन्य जीवों को शिकार के बाद राजकीय सैन्य को खिलाया जाता था। उस समय इन इलाकों में सांभर, हिरण, बाराह आदि भरे थे। उन दिनों वनों का संरक्षण राजकीय स्तर पर होती थी कारण वश सैनिकों को प्रोटिन प्रदान किया करते थे।

कालांतर में जब यह इलाके को बिहार में लाया गया वन भूमि को औद्योगिक उपयोग हेतु उद्योगों निमित्त प्रदान की गई। वन्य प्राणी संरक्षण को गहरा धक्का लगा। इतना ही नहीं वन भूमि समाप्त कर बाहर से आए लोगों को सरकारी नियमों को ताक पर रख कर बसाये गये। आज उन हरे भरे इलाके में लगाये गये पेड़ भी उजाड़े जा रहे हैं, मामला बुद्धिजीवी वर्ग का का अब सिरदर्द बनता जा रहा है।

कानपुर : सीसामऊ में आज मतदान के लिए रवाना हुई पोलिंग पार्टियां, 30 रखी गई रिजर्व

- मतदाताओं को करना है 6 प्रत्याशियों से भाग्य का फैसला
- बनाए गए 275 बूथ और लगाई गई 1200 कर्मचारियों की ड्यूटी

सुनील बाजपेई

कानपुर। 48 घंटे पहले प्रचार खत्म होने के बाद आज 20 नवंबर को होने वाले सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए मंगलवार को पोलिंग पार्टियां नौबस्ता स्थित गल्लामंडी से मतदान केंद्रों के लिए रवाना कर दी गईं। इनमें से 30 टीमें रिजर्व भी रखी गई हैं। साथ ही नौ टीमें वाहनों की नकदी समेत हर गतिविधियों पर नजर रखेंगी।

आज 20 नवंबर को होने वाले सीसामऊ विधानसभा के उप चुनाव के लिए 275 बूथ तैयार बनाए गए हैं और 1200 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। यहां 6 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। जिसमें मुख्य मुकाबला भाजपा के सुरेश अवस्थी और समाजवादी पार्टी की नसिंग सोलंकी के बीच है।

इसकेलिए कड़ी सुरक्षा के बीच आज 20 नवंबर को सुबह 7 बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा। इसके लिए 275 बूथ तैयार बनाए गए हैं। उपचुनाव कराने के लिए 1200 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

मंगलवार को दोपहर 12 बजे से सीसामऊ विधानसभा 48 मतदान केंद्रों के लिए 275 पोलिंग पार्टियां रवाना हुईं। एक पोलिंग पार्टी में पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय, तृतीय रखे गये हैं। इसके लिए गल्लामंडी में 27 टेबल लगाई गईं हैं, जहां से मतदान कर्मियों को ईवीएम, वीवीपैट, स्टेशनरी, सील, मतदाता सूची, मुहर, कलम आदि सामग्री उपलब्ध कराई गई। सभी पार्टियां बसों से रवाना की गई हैं। इसी के साथ करीब 30 पार्टियां रिजर्व में भी रखी गईं हैं। इन पोलिंग कर्मचारियों के लिए गल्ला मंडी में बिजली, पानी, शौचालय और सफाई की व्यवस्था भी की गई है।

मृत लोगों को जीबन मिला; एम्स के डॉक्टर ने किया कमाल!

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: एम्स भुवनेश्वर की अद्भुत सफलता। नई तकनीक ने नया जीवन दिया। हृदय 120 मिनट तक रुका रहा। एम्स भुवनेश्वर ने कमाल कर दिया है। एम्स के डॉक्टर ने बीमार दिल को फिर से जिंदा कर दिया। एम्स के डॉक्टरों का दावा है कि यह एक दुर्लभ घटना है। एम्स भुवनेश्वर ने नई तकनीक का इस्तेमाल कर यह उपलब्धि हासिल की है।घटना इस प्रकार थी, 1 अक्टूबर को 24 वर्षीय शुभकांत साहू के सीने में दर्द होने पर उनके परिजन उन्हें पास के राणपुर मेडिकल सेंटर ले गए। वहां से उन्हें एम्स भुवनेश्वर स्थानांतरित कर दिया गया। सौभाग्य से उन्हें सुबह 5 बजे एम्स में भर्ती कराया गया। और एम्स पहुंचने के 2 घंटे के अंदर ही उनके दिल ने काम करना बंद कर दिया। बिना सफलता के 40 मिनट तक सीपीआर दिया गया। आमतौर पर 20 से 25 मिनट बाद अगर किसी को कार्डियक अरेस्ट आता है तो डॉक्टर उसे मृत घोषित कर देते हैं। लेकिन उन्हें एक्मो मशीन द्वारा ई-सिफर दिया गया। करीब 2 घंटे बाद भाग्यशाली दिल ने दोबारा काम करना शुरू कर दिया। 36 घंटे के बाद दिल सामान्य रूप से धड़कने लगा। उन्हें पूरी तरह ठीक होने में करीब 4 घंटे का समय लगा। दो घंटों के दौरान जब उनके दिल ने काम करना बंद कर दिया, संक्रमण शरीर के विभिन्न हिस्सों जैसे फेफड़े, गुर्दे, यकृत आदि में फैल गया था। एम्स के डॉक्टर ने कहा, इसे ठीक करने में लगभग 30 दिन लग गए। अब उनकी स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है। इस इलाज में AMS के 20 डॉक्टर लगे हुए थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023